



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 390]
No. 390]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 13, 2003/श्रावण 22, 1925
NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 13, 2003/SRAVANA 22, 1925

पोत परिवहन मंत्रालय

(पत्तन स्कंध)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 2003

सा०का०नि० 655 (अ).—निम्नलिखित प्रारूप नियम, जिसे केन्द्रीय सरकार भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के तत्कालीन पोत परिवहन और परिवहन मंत्रालय परिवहन स्कंध की अधिसूचना सं० सा०का०नि० 950 तारीख 14 जुलाई, 1972 को अधिकांत करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा 2 की अपेक्षानुसार उन सभी संबद्ध व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है।

यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर इस अधिसूचना के प्रकाशन से 45 दिन की समाप्ति पर या उसके पश्चात विचार किया जाएगा ऐसे किसी आक्षेप या सुझाव पर, जो उक्त प्रारूप नियमों की वाबत किसी व्यक्ति/प्राधिकारी से उक्त अवधि की समाप्ति के पूर्व प्राप्त हो सकेगा, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा। आक्षेप या सुझाव सचिव, पोत परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली को भेजे जा सकेंगे।

प्रारूप नियम

अध्याय - 1

साधारण

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ -- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अंदमान और निकोबार द्वीप पत्तन नियम, 2003 है।

(2) ये उनके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं - इन नियमों में जब तक कि कोई बात संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (i) “प्रपुंज तेल जलयान” से प्रपुंज पेट्रोलियम से भरा पेट्रोलियम जलयान अभिप्रेत है;
- (ii) “केस तेल जलयान” से केस जैसे पीपा, ड्रम या अन्य आधान में पेट्रोलियम से भरा पेट्रोलियम जलयान अभिप्रेत है;
- (iii) “अध्यक्ष” से केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त पत्तन प्रबंध बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है;
- (iv) “संरक्षक” से भारतीय पत्तन अधिनियम की धारा 7 के अनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा, संरक्षक के रूप में नियुक्त अधिकारी या व्यक्तियों का निकाय अभिप्रेत है;
- (v) “अंधकार” से सूर्यास्त से आधे घंटे पश्चात् का समय अभिप्रेत है;
- (vi) “पौ फटना” से सूर्योदय से आधे घंटे से पूर्व का समय अभिप्रेत है;
- (vii) “उप संरक्षक” से वह अधिकारी अभिप्रेत है जिसे अंदमान और निकोबार द्वीप के पत्तन संरक्षक की ओर से कार्य करने के लिए शक्तियों का प्रत्यायोजन किया गया है और जिसके अंतर्गत भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 (1908 का 15) के अधीन उसके प्राधिकार के अधीन कार्य करने वाला कोई अन्य अधिकारी भी है;
- (viii) “अवतारण जलयान” से ऐसा पेट्रोलियम जलयान जिसने पूर्णतया अपने पेट्रोलियम का अवतारण कर दिया हो, अभिप्रेत है;
- (ix) “गोदी” के अंतर्गत सभी स्थल जेट्टियां, सड़कें, घाट, लंगरगाह, शेड, गोदाम तथा किसी गोदी से सम्बद्ध अन्य कार्यों तथा वस्तुएँ एवं समुद्र का संलग्न या बन्दरगाह के तटबन्ध या घेरे द्वारा आरक्षित भाग भी सम्मिलित है;
- (x) “सूखी गोदी” से फीनिक्स बे कॉम्पलेक्स में नियत दो सूखी गोदी या बाद में इस प्रयोजन के लिए पत्तन प्राधिकरण द्वारा बनाया जाने वाला कोई भी अन्य सूखी गोदी अभिप्रेत है;
- (xi) “अपवर्जित पेट्रोलियम” से ऐसा पेट्रोलियम अभिप्रेत है जिसमें पेट्रोलियम का प्रज्वलांक 93° सेंटीग्रेड (या 200 डिग्री फारेनहाइट) से कम न हो जिसके लिए ये नियम लागू नहीं होते हैं;
- (xii) किसी पेट्रोलियम के संबंध में “प्रज्वलांक” से वह न्यूनतम तापमान अभिप्रेत है जिसपर यह वाष्प उत्पन्न करता हो जो आग दिखाने पर क्षणिक प्रज्वलन दिखाता हो और पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 (1934 का 30) तथा उसके अधीन बने नियमों के उपबंधों के अनुसार अवधारित हो;

- (xiii) “गैस मुक्त प्रमाणपत्र” से केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त अधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाणपत्र अभिप्रेत है जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि जलयान पूरी तरह से साफ तथा पेट्रोलियम ज्वलनशील पदार्थ से मुक्त है ;
- (xiv) “अन्तर्देशीय जलयान” से कोई जलयान जो इनलैंड वेसेल एक्ट, 1917 (1917 का 1) के उपबंध के अध्वधीन हो, अभिप्रेत है;
- (xv) “पेट्रोलियम” और उसके वर्गीकरण के, पेट्रोलियम अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार अर्थ होंगे;
- (xvi) “प्रपुंज पेट्रोलियम” से 1000 लीटर से अधिक क्षमता के आधान में भरा पेट्रोलियम अभिप्रेत है;
- (xvii) “पेट्रोलियम जलयान” से कोई जलयान जो 50000 लीटर से अधिक या 5 मीट्रिक टन पेट्रोलियम श्रेणी “क” या 50000 लीटर या 50 मीट्रिक कि टन पेट्रोलियम श्रेणी “ख” या कोई अन्य पदार्थ जिसमें पेट्रोलियम श्रेणी “क” या श्रेणी “ख” के समान प्रज्वलांक हो, वहन करने वाला जलयान, अभिप्रेत है;
- (xviii) “अंदमान तथा निकोबार का पत्तन” से अभिप्रेत है और जिसके अंतर्गत ईस्ट आइलैंड का पत्तन डिगलीपुर, मायाबन्दर, हैवलॉक, नील द्वीप, एलिफिनस्टोन हार्बोर और रंगत, पोर्टब्लेयर, सिंक और साऊथ सिंक आइलैंड, मैक फर्सान स्ट्रेट (जॉली वाय) हट बे, डूगांग क्रीक, कारनिकोबार (मालाका तथा मूस) कौडूल आइलैंड, चौरा, टेरेसा, तिलंगचांग, तिलंगचांग (कैसल बे), कचाल(ईस्ट बे) कर्मोटा, ननकौरी, कैम्पबेल बे और साऊथ बे जिसके अंतर्गत अंदमान और निकोबार द्वीप में नदी चैनल का कोई भाग भी है और ऐसे पत्तन जो केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा घोषित करे ;

(2) इन नियमों में प्रयुक्त शब्दों और वाक्यांशों के, जो परिभाषित नहीं हैं किन्तु भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अधिनियम में हैं ।

3. लागू होना

- (1) ये नियम अंदमान और निकोबार के पत्तनों (जिसे इसमें इसके पश्चात् पत्तन कहा गया है) पर लागू होंगे ।
- (2) समुद्रीगामी जलयानों से सम्बन्धित इन नियमों के उपबंध सी प्लेन, कैटामारण हार्बरक्राफ्टों तथा हाइड्रोफॉइल चलत नौकाओं पर भी लागू होंगे, किन्तु जहाँ उनके विशेष निर्माण के कारण उपबन्धों में विनिर्दिष्ट अनुसार बत्ती तथा आकार धारण करने सहित इसका

पूरा पूरा पालन करना सम्भव नहीं है, वहां इस तथ्य से संरक्षक को अवगत कराया जाएगा ।

अध्याय - 2

समुद्रगामी जलयान (अन्तर्द्वीपीय जलयानों सहित)

4. प्रवेश/प्रस्थान निर्बंधन :- पत्तन उप संरक्षक के विशेष प्राधिकार के बिना कोई भी जलयान सूर्यास्त तथा सूर्योदय के बीच पत्तन में प्रवेश या पत्तन से प्रस्थान नहीं कर सकेगा ।
5. घाट का अधिभोग :- पत्तन के भीतर सभी जलयान पत्तन उप संरक्षक द्वारा निर्धारित घाट पर ही लगेंगे तथा घाट या स्थान परिवर्तन जब भी आवश्यक हो उसकी अनुमति से होगा ।
6. घाट आबंटन:- समुद्री अपेक्षाओं के सन्तोषजनक होने पर ही बन्दरगाह मास्टर या उप संरक्षक जलयानों के घाट का आबंटन करेंगे ।
7. संचालन पर निर्बंधन:- प्रत्येक समुद्रगामी जलयान उप पत्तन संरक्षक या बन्दरगाह मास्टर द्वारा जैसे जो भी मामला हो, के आदेश पर किसी भी घाट में आ जा सकेंगे । पत्तन पायलट सेवा के किसी अधिकारी के निदेश पर ही पत्तन के भीतर मूरिंग या लगर डाल सकेंगे, और आगे पीछे कर सकेंगे ।
8. समुद्र में टक्कर होने से बचाव:- पायलट के नियन्त्रणाधीन प्रत्येक जलयान जब नहर(चैनल) में चल रहा हो को समुद्र में टकराहट से बचने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के अधीन शासित होगा जो चैनल में नौचालन के लिए भारत सरकार द्वारा विहित स्थानीय नियमों द्वारा संशोधित या संपूरक होंगे ।
9. पायलट या अन्य प्राधिकृत अधिकारी के बिना संचालन :-
- (200 टन से अधिक भार वाला कोई भी समुद्रगामी जलयान बिना पायलट या सम्यक् रूप से प्राधिकृत अधिकारी के अन्दर नहीं घूमेगा या बाहर निकलेगा या पत्तन के भीतर घूमेगा या जड्टी/घाट/बांधने के स्थल/लंगरस्थल में जाएगा या ना वहां से

- निकलेगा जबतक कि भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 की धारा 31 के उपबंध के अधीन इसके लिए छूट प्रदान न की गई हो ।
- (ii) किसी समुद्रगामी जलयान को बांधने या खोलने, खिसकाने या हटाने तथा माल लादने या उतारने के लिए अपनी स्थिति को अनुकूल बनाने या उपकरणों और गियरों को व्यवस्थित करने के लिए जलयान के मास्टर अथवा मालिक को खुद की सुरक्षा तथा ऐसे अन्य प्रयोजनों के लिए पत्तन में सभी सम्यक् रूप से प्राधिकृत अधिकारियों के न्याय संगत निदेशों का पालन करना होगा तथा पूरा सहयोग प्रदान करना होगा ।
10. पॉयलट के लिए आवेदन:- समुद्रगामी जलयानों को खींचकर अन्दर लाने या बाहर करने, बांधने या किसी अन्य सहायता के लिए सभी आवेदन पत्तन उप संरक्षक या बन्दरगाह मास्टर को व्यक्तिगत रूप से या पत्र द्वारा किया जाएगा ।
11. जलयान की विशिष्टियाँ देना:- समुद्रगामी जलयान को गोदी में लाने या जेट्टी के किनारे खड़ा करने से पहले मास्टर या अभिकर्त्ताओं को बन्दरगाह मास्टर या प्रबन्धक(पोर्ट सिगनल तथा ओपरेशन) या पत्तन के अन्य सम्यक् रूप से प्राधिकृत अधिकारी के समक्ष विहित प्ररूप में जलयान की लम्बाई-चौड़ाई गहराई, टनभार तथा उपस्कर की विशेष आकृति या निर्माण यथाअपेक्षित कोई अन्य जानकारी की पूरी विशिष्टियाँ प्रस्तुत करनी होंगी ।
12. कर्ष नाव का प्रयोग:- पत्तन के भीतर संचालन के इच्छुक प्रत्येक समुद्रगामी जलयान को इस प्रयोजन के लिए ऐसे कर्ष नाव को उपयोग में लाना होगा जैसा कि बन्दरगाह मास्टर या पायलट प्रभारी की राय में उसकी सुरक्षा के लिए आवश्यक हो ।
13. जलयानों की शक्ति:- प्रत्येक समुद्रगामी जलयान के मास्टर को किसी लंगर स्थल में या गोदी में या जेट्टी घाट में अपने बल पर प्रवेश करने या छोड़ने की स्थिति में वह इसके लिए उत्तरदायी होगा कि इंजन को पूरी गति से चलाने हेतु पर्याप्त शक्ति धारण करने अपेक्षानुसार आगे या पीछे बढ़ने के लिए पूरी तरह अनुरक्षित है ।
14. मूरिंग का प्रयोग:- पत्तन उप संरक्षक या बन्दरगाह मास्टर की अनुमति के बिना किसी भी समुद्रगामी जलयान को किसी प्रकार की मूरिंग(फिक्सड या स्वींग) की अनुमति नहीं होगी ।

15. जहाज के अग्रभाग में लंगर(एन्कर):- प्रत्येक समुद्रगामी जलयान को जल मार्ग में, या दरिया में, वह दरिया में या लंगर स्थल में खड़े रहते वक्त सदा इसके अग्रभाग में कम से कम एक लंगर लटका कर रखना होगा ताकि अल्पसूचनावधि में डाला जा सके ।
16. जलयानों की मूरिंग:- खराब मौसम के दौरान जलयान की सुरक्षा के लिए अनावश्यक खिंचाव को कम करने या गति को मन्द करने के प्रयोजन के अतिरिक्त किसी समुद्रगामी जलयान के नौबन्धन में पत्तन उप संरक्षक या बन्दरगाह मास्टर द्वारा विहित तरीके को छोड़कर या उप संरक्षक या बन्दरगाह मास्टर की अनुमति के बगैर किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी ।
17. इंजनों का परीक्षण:- समुद्रगामी जलयान का चालक गोदी में बंधा हो अथवा नहर में या गोदी घाट पर खड़ा हो उस समय तक जलयान का इंजन नहीं चलाएगा जब तक कि आसपास खड़े सभी बोटों को पर्याप्त चेतावनी नहीं दे देता और जब तक एक पोयलट या सहायक बन्दरगाह मास्टर इंजन के परीक्षण के समय जलयान में नहीं होता । इंजन परीक्षण बिल्कुल धीमी गति से होगा और अल्पावधि के लिए हर दिशा में घूमने की जाँच की जाएगी । बिल्कुल धीमी गति से ऊपर गति में इंजन बिना पोयलट या सहायक बन्दरगाह मास्टर के निदेश के नहीं चलाया जा सकेगा ।
18. इंजन खोलना:- किसी भी समुद्रगामी जलयान के इंजन को पत्तन उप संरक्षक या बन्दरगाह मास्टर की अनुमति के बिना खोला नहीं जाएगा जिससे वह चल पाने में अक्षम हो जाए ।
19. तूफान सिगनल:- जब पत्तन नियंत्रण टॉवर के ध्वजदण्ड पर तूफान सिगनल सं. 8, 9 या 10 लगा दिया जाता है तो सभी समुद्रगामी जलयान के मास्टर अपने जलयानों की सुरक्षा के लिए हर प्रकार की सुरक्षा का तत्काल उपाय करेंगे और विशेषकर दूसरा लंगर डालने के लिए या ऐसे अन्य सुरक्षा उपाय करेंगे जिससे जलयान और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो ।
20. जहाजों के लिए कर्मीदल:- नियम 21, 22, 23, 24 और 25 के उपबन्धों के अध्याधीन सभी पत्तन पर समुद्रगामी जलयान में सभी समय पर्याप्त संख्या में कर्मीदल होने चाहिए ताकि आपातकाल में जहाज की सुरक्षा या चलाने के आवश्यक कार्यों को निष्पादित कर सकें ।

21. न्यूनतम कर्मी दल के लिए लाइसेंस:- जब कभी कोई समुद्रगामी जलयान किसी घाट या लंगर स्थल में जो विशेषकर उसे उसी प्रयोजन हेतु आबंटित किया गया है, खड़ा होता है तो वह पत्तन अधिकारी के लिए विधि सम्मत होगा कि वह उनके मुख्य पत्तन प्रशासक द्वारा अनुसूची के फार्म 'क' में कथित अवधि के लिए यह प्राधिकार प्रदान करते हुए एक लाइसेंस जारी करें कि जलयान अपने घाट या लंगर स्थल पर लाइसेंस में विनिर्दिष्ट न्यूनतम कर्मीदल के साथ रह सकता है ।
22. लाइसेंस का प्रतिसंहरण:- पत्तन प्रबन्ध बोर्ड के लिए यह विधिसम्मत होगा कि अनुसूची के फार्म 'ख' में मुख्य पत्तन प्रशासक द्वारा पूर्वोक्त लाइसेंस का प्रतिसंहरण कर दें और ऐसे प्रतिसंहरण के प्रकाशन के साथ ही उसकी एक प्रति जलयान के सहज दृश्य भाग पर चिपकाने के साथ ही प्रभावी हो जाएगी और जलयान पर नियम 20 के उपबन्ध उस स्थिति में लागू हो जाएंगे कि किसी प्रकार का लाइसेंस जारी नहीं किया गया है ।
23. कर्मीदल के बिना पड़े रहने का लाइसेंस:- जब कभी मुख्य पत्तन प्रशासक को ऐसा लगेगा कि कोई भी संकरी खाड़ी, खाड़ी अथवा नौघाट में समुद्रगामी जलयान बिना किसी कर्मीदल के ऐसी संकरी खाड़ी, खाड़ी या नौघाट में जलयान, पत्तन के किसी भी भाग को किसी प्रकार की हानि पहुँचाए बिना पड़ा रह सकता है, तो पत्तन उप संरक्षक के लिए यह विधि सम्मत होगा कि वह ऐसे जलयान को फार्म 'ग' में लाइसेंस जारी करके उसे नियम 20 के उपबन्धों से छूट प्रदान कर सकता है और यदि वह उचित समझता है तो समय-समय पर उक्त लाइसेंस का प्रति प्रतिसंहरण कर सकता या उसमें संशोधन कर सकता है ।
24. धुम्रपान:- कोई भी व्यक्ति समुद्रगामी जलयान के पेटा में या डेकों के बीच अथवा ऐसे जलयान के किसी परिवेष्टित स्थान जहाँ भंडार, माल या ज्वलनशील पदार्थ हो, धुम्रपान या किसी प्रकार की खुली आग का प्रयोग नहीं करेगा ।
25. प्रकाश:- कोई भी समुद्रगामी जलयान पत्तन उप संरक्षक की अनुमति के बिना बिजली की बत्तियों के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार की बत्ती का प्रयोग नहीं करेगा परन्तु यह नियम आपातकालीन नौचालन तथा राइडिंग लाइट पर लागू नहीं होगा ।
26. अग्नि:- समुद्रगामी जलयान में आग केवल जलयान के रसोईघर या अग्नि के लिए उचित रूप से निर्मित स्थल पर ही जलाने की अनुमति होगी ।

27. आतिशबाजी:- विस्फोटक, जिसके अंतर्गत फटाके भी हैं, की लदाई/उतराई अभिहित घाट/ लंगरस्थान पर की जानी है। पत्तन सीमाओं के भीतर एक जलयान से दूसरे जलयान में अंतरण निषिद्ध है।
28. अग्निकांड के दौरान बचाव:- जब कभी किसी जलयान में आग की दुर्घटना होती है तो निकट के घाट के या लंगर स्थल पर रुके सभी समुद्रगामी जलयान के मास्टर अपने सायबान लपेट लेंगे, अपने पम्प (फोर्स पम्प) और रबर के नल को प्रयोग हेतु तैयार कर लेंगे और उनके लंगर रस्सा या लौहे के मोटे तार को हटाना और आग से होने वाले नुकसान से बचने के लिए अन्य आवश्यक उपाय करेंगे।
29. जलयानों के बाहर की ओर निकले भाग:- सभी समुद्रगामी जलयान घाट या जेट्टी में आते-जाते समय सभी बोटों को भीतर की ओर घुमा लेंगे, बाहर की ओर निकले भाग को हटा लेंगे जिससे किसी दीवार, स्तम्भ या जेट्टी अथवा घाट से टकराने की संभावना न हो।
30. दोहरी बैकिंग :- गोदी में सभी समुद्रगामी जलयान चाहे वह घाट पर हो या बोया में, अल्प सूचना में अन्य जलयान को अपने बगल में लाने के लिए तैयार रहना होगा। घाट पर लगे जलयान को दोनों जलयानों की सुरक्षा की दृष्टि से बगल में आने वाले जलयान को सभी सुविधा उपलब्ध करानी होगी।
31. हानिकारक अपशिष्ट/गन्दगी/कूड़ा-कर्कट बहाना :- कोई भी व्यक्ति
- (क) किसी प्रकार का पेट्रोलियम पदार्थ या अन्य ज्वलनशील तरल पदार्थ को किसी सैंकरी खाड़ी, नहर या किसी गोदी बाड़े में जानबूझ कर नहीं बहा सकेगा।
- (ख) हानिकर प्रकृति का कोई भी तरल अथवा गन्दगी या कूड़ा-कर्कट किसी गोदी बाड़े के जल में प्रवाहित नहीं करेगा।
32. पर्यावरण की सुरक्षा :-
- (क) कोई भी व्यक्ति -
- (i) किसी विस्फोटक/गन्दगी/माल/सामान/वस्तु/पदार्थ को यदि ऐसे विस्फोटक गन्दगी/माल/सामान/वस्तु/पदार्थ पानी में गिरने के बाद पर्यावरण को नुकसान पहुँचा सकता है अथवा पानी में गिर कर पोत परिवहन को क्षति पहुँचा सकता है किसी घाट/सेतुबन्ध/जेट्टी/जलयान में इस प्रकार से नहीं डालेगा कि उक्त पदार्थ कुछ या कोई भाग में पानी में गिरने की संभावना है

(ii) इस नियम के उप नियम (i) में निर्दिष्टानुसार किसी विस्फोटक/गन्दगी/माल/सामग्री को किसी सेतुबन्ध/घाट, जेट्टी या जलयान से किसी गोदी बाड़े या समुद्र में डाल/फेंक नहीं सकेगा ।

(ख) जिस जलयान से उपर्युक्त माल/सामान/वस्तु/पदार्थ आदि गोदी बाड़े में या जल में डाला या फेंका गया हो, उसके मास्टर को पूर्ण विवरण सहित रिपोर्ट तत्काल डाक मास्टर या बन्दरगाह मास्टर, जैसा भी मामला हो, को देना होगा ।

33. प्राइवेट (निजी) सिगनलों पर रोक :-

सिगनलों के अन्तर्राष्ट्रीय कोड द्वारा प्राधिकृत सिगनलों को छोड़कर संरक्षक, बन्दरगाह मास्टर या प्रभारी पायलट के प्राधिकार के बिना किसी समुद्रगामी जलयान में किसी प्रकार के सिगनल नहीं फहराया जा सकेगा ।

34. सिगनल लाइट :- प्रत्येक समुद्रगामी जलयान को सांयकाल तथा सूर्योदय के बीच समुद्र में कोई दुर्घटना न हो इसके लिए अन्तर्राष्ट्रीय विनियम द्वारा अपेक्षित बत्ती प्रदर्शित करना होगा । बन्दरगाह मास्टर या पायलट प्रभारी के निर्देश के अलावा कोई अन्य सिगनल बत्ती का प्रयोग नहीं किया जाएगा ।

35. सीटी की आवाज :- कोई भी समुद्रगामी जलयान अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के अनुसार ही अपनी सीटी या सायरन का प्रयोग समुद्र में किसी प्रकार की टक्कर आदि से बचने के लिए कर सकेंगे परन्तु कोई भी समुद्री जहाज लगातार अपनी सीटी या सायरन का प्रयोग नहीं कर सकेगा ।

36. ब्लू पीटर :- पत्तन से प्रस्थान करने वाले प्रत्येक समुद्रगामी जलयान को रस्सी खुलने के एक दिन पूर्व सुबह 6 बजे जलयान के सामने के भाग में ब्लू पीटर फहराना होगा तथा इसे तब तक फहराये रखेगा जब तक कि प्रभारी पायलट इसे समुद्र में ले जाने के लिए नहीं आ जाता परन्तु यह नियम युद्ध के समय लागू नहीं होगा ।

37. अन्तर्राष्ट्रीय संहिता पताका 'क' :- प्रत्येक समुद्रगामी जलयान लंगर में प्रवेश करते समय या जेट्टी में आते समर्थ ट्राइटिक स्टे पर अन्तर्राष्ट्रीय (कोड) संहिता पताका 'क' फहरायेगा और इसे तब तक फहराये रखेगा जब तक कि प्रभारी पायलट, जब वह यह उपर्युक्त समझे कि इनलैंड वैसेल और छोटे जलयान सुरक्षित रूप से बगल में आ सकते हैं, इसे नीचे करने का आदेश नहीं दे देता ।

38. खोज बत्ती (सर्च लाइट) का प्रयोग :-पायलट या बन्दरगाह मास्टर के निदेश के अतिरिक्त किसी भी समुद्रगामी जलयान द्वारा पत्तन में खोज बत्ती का प्रयोग निषिद्ध है ।
39. खींचते/धकेलते समय बत्ती दिखाना :-समुद्रगामी जलयान को जब उसे खींचा/धकेला जा रहा हो समुद्र में टक्कर आदि से बचने हेतु लागू/समय-समय पर संशोधित अन्तर्राष्ट्रीय नियमों द्वारा ऐसे जलयानों के लिए विहित बत्तियाँ द्वारा प्रकाश किया जाएगा ।
40. समुद्रगामी जलयानों की बत्तियों द्वारा कर्ष नौका की बत्तियों का अवरोध न होना:-पत्तन में प्रत्येक समुद्रगामी जलयान को निकट लाने हेतु खींचते समय जलयान के उन सभी बत्तियों को बुझा देना होगा जिसमें कर्ष नौका द्वारा प्रदर्शित बत्तियों को देख पाने में अवरोध होता हो ।
41. टोइंग बत्ती (नियंत्रण बत्ती)
- (क) पत्तन पर प्रत्येक समुद्रगामी जलयान को जब पिछले भाग से खींचा जा रहा हो तो समुद्र में टक्कर से बचने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के नियम 5 द्वारा अपेक्षित बत्ती का प्रयोग करना होगा ।
- (ख) जब जलयान दोनों बगल में बाँध कर खींचा जाता है तो उक्त विनियमों के नियम 3 द्वारा अपेक्षित सफेद बत्ती का प्रयोग करना होगा ।
- (ग) जब केवल एक जलयान बगल में बाँधा जाएगा तो पूर्वोक्त नियम द्वारा अपेक्षित सफेद बत्ती का इस्तेमाल होगा और इसके अलावा जिस ओर जहाज बंधा है उस ओर भी बत्ती का प्रयोग किया जाएगा ।
- (घ) जब कर्ष नौका द्वारा जलयान का पिछला हिस्सा खींचकर समीप बाँधा जाता है तो पूर्वोक्त नियमों द्वारा अपेक्षित सफेद बत्ती का प्रयोग किया जाएगा ।
42. पत्तन में जब एक समुद्रगामी जलयान द्वारा दूसरे समुद्रगामी जलयान को खींचा जाता है तो -
- (क) जब कर्षण सामने की ओर हो तो समुद्र में टक्कर से बचने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के नियम 3 द्वारा विहित बत्ती का प्रयोग किया जाएगा ।

- (ख) जब कर्षण बगल की ओर हो तो कर्षण के दूसरे ओर कौी बत्ती जलायी जाएगी ।
43. कर्षनौका के लिए नियंत्रण बत्ती - नियम 42 के उप नियम (ख) में उल्लिखित अतिरिक्त सफेद बत्तियों का पत्तन में कर्ष नौका/कर्षनौकाओं से, समुद्रगामी जलयान को खींचने के लिए प्रयोग नहीं किया जाएगा ।
44. जमीन में धसे तथा लंगर में खड़े जलयानों के लिए बत्ती - पत्तन में या नौचालन चैनल में जमीन में धसे समुद्रगामी जलयान को
- (क) समुद्र में टक्कर से बचने के लिए अधिरोपित/समय-समय पर संशोधित अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के अनुसार बत्ती/सेप प्रदर्शित करेंगे ।
- (ख) समुद्र में टक्कर से बचने के लिए दिन के समय अन्तर्राष्ट्रीय नियमों में यथाविहित ब्लैक बाल प्रदर्शित करेंगे ।
45. दुर्घटना से बचने के लिए पूर्वविधानियाँ - प्रत्येक समुद्रगामी जलयान के मास्टर जलयान के किसी भाग से निकलने वाला धुँआ, तेल या जल से लोगों को हानि न पहुँचे या सम्पत्ति आदि को नुकसान न हो, इसके लिए सभी आवश्यक पूर्वविधानियाँ बरतेगा ।
46. बीभ तथा हैचवे की सुरक्षा - जब किसी समुद्री जहाज के अपने किसी हैचवे से माल चढ़ाया या उतारा जा रहा हो, चाहे डैक पर या नीचे, देशान्तरीय (अगला और पिछला) तथा आड़ी-चौड़ाई तथा ऐसे हैचवे के इस प्रकार घेरा जाए कि सामान गिरने पर जलयान पर या जलयान और जैटी के बीच के भाग में न गिरे ।
47. कार्मिकारों की सुरक्षा - किसी समुद्रगामी जलयान के मास्टर को बिल्ज, बॉयलर या डबल बोटम में कोई कार्य करवाना ही तो किसी व्यक्ति को वहाँ भेजने से पूर्व यह सुनिश्चित करना होगा कि उस स्थान पर कार्य करने के लिए पूर्ण सुरक्षित बतारवण है ।
48. लंगर डालना तथा बांधना
- (क) बन्दरगाह के भीतर के सभी जलयान पत्तन उपसंरक्षक के निर्देशानुसार लंगर डालेंगे या बांधें जाएंगे ।
- (ख) समुद्रगामी सभी जलयान के लंगर पर बोया होगा ।

49. बन्दरगाह में नहाना - शार्क, मगरमच्छ, बैराकुडस आदि के बन्दरगाह जल में होने की संभावना को ध्यान में रखते हुए बन्दरगाह में नहाने की सख्त मनाही है ।
50. जलयानों की आगमन अधिसूचना
- (क) जलयान की प्रत्याशित आगमन से कम से कम बारह घंटे पूर्व, उसके अभिकर्ता एक अधिसूचना पत्तन उप संरक्षक को भेजेगा ।
- (ख) पत्तन में उतारे जाने वाले माल का फलकावार विस्तृत विवरण या तो जलयान की आगमन अधिसूचना के साथ संलग्न होना चाहिए अथवा जलयान के पत्तन पर वास्तविक आगमन के तुरन्त पश्चात देना होगा ।
51. जलयान की मरम्मत करने के लिए और होटवर्क और मरम्मत कर्ताओं के लिए लाइसेंस देने के लिए अनुज्ञा - जलयानों के मास्टर/स्वामी जो मरम्मत करवाने के इच्छुक हैं निम्नलिखित का पालन करेंगे :
- (क) पत्तन उप संरक्षक/बन्दरगाह मास्टर की पूर्व अनुमति के बिना जलयानों को स्थिर न किया जाए ।
- (ख) जलयान को घाट से उस समय हटा लिया जाएगा जब घाट की आवश्यकता किसी अन्य प्रयोजन के लिए हो, और
- (ग) अनावृत्त आग, गैस कटिंग, वेल्डिंग आदि ईंधन/तेल भंडार टैंक या ईंधन प्रणाली में किसी व्यक्ति को प्रवेश तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि समुचित प्राधिकारी से गैस मुक्त प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं कर लिया जाता ।
- (घ) पत्तन डॉकयार्ड में हाट वर्क और पोत मरम्मतकर्ता के लिए लाइसेंस नियम 51 के अधीन पत्तन उप संरक्षक द्वारा जारी किया जाएगा ।
52. बन्दरगाह सीमा के भीतर नौचालन - बन्दरगाह सीमा के भीतर संचालित छोटे पोत, बोट तथा बन्दरगाह जलयान चाथम चेटी के क्षेत्र और हूड प्वाइंट लंगरगाह में जलमग्न लट्टे के होने की संभावना के कारण सावधानी से नौचालन करेंगे और ये बोट ब्लेयर रीफ, परसीवोरेस प्वाइंट बम्बूप्लाट, रेंजर प्लैट और माल्टा की खाड़ी के दीप संकेतकों पर उपलब्ध नौचालन बोया के आगे नहीं जाएंगे ।

अध्याय - 3

अन्तर्देशीय जलयान

53. व्यापक नियम - नियम 14, 15, 24, 25, 26, 27, 42 और 43 के उपबन्ध अन्तर्देशीय जलयानों पर भी उसी प्रकार लागू होंगे जैसा समुद्रगामी जलयानों के संबंध में लागू होते हैं ।
54. नौगम्य चैनल - पत्तन के भीतर चलने वाले अन्तर्देशीय जलयान इस प्रकार नौचालन करेंगे कि पत्तन के भीतर समुद्रगामी जलयान को नौचालन के लिए पर्याप्त स्थान मिले ।
55. घाट तथा लंगर स्थल व्यवस्थापन - प्रत्येक अन्तर्देशीय जलयान पत्तन नियंत्रण टावर के निर्देश पर किसी घाट, लंगरस्थल या स्थान पर भिड़ेंगे, आएंगे या हटेंगे ।
56. लंगरगाह - कोई भी अन्तर्देशीय जलयान इस प्रकार या ऐसी रीति में लंगर नहीं डालेगा जिससे पत्तन के भीतर किसी नौचालन चैनल में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न हो ।
57. संचालन पर निर्बंधन - जलयान के ट्राईएंगल स्टे पर अन्तर्राष्ट्रीय संकेत ध्वज 'क' लगा दिया जाने पर कोई भी अन्तर्देशीय जलयान किसी भी प्रयोजन के लिए समुद्रगामी जलयान के बगल में नहीं जाएंगे ।
58. सुलभ मार्ग - प्रत्येक अन्तर्देशीय जलयान सभी समय पोतघाट जेट्टी, अवतरण स्थल, घाट, गोदी, अस्थायी गोदी तथा लंगरस्थल पर लंगर में होने या चलने के समय पर्याप्त चौड़ाई के यात्रा मार्ग सुलभ कराएंगे ।
59. तूफान सिग्नल - जब पत्तन नियंत्रण टावर के ध्वजदण्ड पर तूफान सिग्नल लगा दिया जाता है तो सभी अन्तर्देशीय जलयानों के मास्टर अपनी जलयान की सुरक्षा के लिए हर प्रकार के सुरक्षा (अपनी शक्ति के अनुसार) का उपाय करेंगे ।
60. जलयानों के कर्मीदल - प्रत्येक अन्तर्देशीय जलयान में किसी आपातकालीन स्थिति में जलयान की सुरक्षा या संचालन के लिए आवश्यकता पड़ने पर ड्यूटी निष्पादित करने के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मीदल होने चाहिये ।

61. विहित बत्ती - अन्तर्देशीय जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन बनाए गए नियमों में विहित बत्ती का प्रत्येक अन्तर्देशीय जलयान प्रदर्शन करेंगे ।
62. खोज बत्ती (सर्च लाइट) - अन्तर्देशीय जलयानों को नौचालन प्रयोजन हेतु खोज बत्ती के प्रयोग की अनुमति है परन्तु कोई खोज बत्ती किसी भी परिस्थिति में किसी जलयान के नौचालन पर अवरोध उत्पन्न नहीं करेगी ।
63. अग्निशमन उपकरण - प्रत्येक अन्तर्देशीय जलयान अन्तर्देशीय जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन बनाए गए नियमों में विहित अग्निशमन उपकरणों को रखेगा ।
64. संचार - प्रत्येक अन्तर्देशीय जलयान को ज्वारीय जल में परिचालन के समय अनुसूची के अनुसार अत्यन्त उच्च आवृत्ति या उच्च आवृत्ति पर पत्तन नियंत्रण टॉवर के साथ रेडियो सम्पर्क बनाए रखना होगा ।

अध्याय - 4

बन्दरगाह यान

65. व्यापक नियम - नियम 14, 15, 16 और 43 के उपबन्ध बन्दरगाह जलयान के सम्बन्ध में उसी प्रकार लागू होंगे जैसा समुद्रगामी जलयानों पर लागू होते हैं और नियम 54, 55, 56, 57, 58 और 64 के उपबन्ध अन्तर्देशीय जलयानों के समान लागू होंगे ।
66. बन्दरगाह यान सर्वेक्षण, माप, रजिस्ट्रीकरण और लाइसेंस - कोई भी बन्दरगाह जलयान नियमित अथवा कभी-कभी पत्तन के भीतर या अंशतः भीतर तथा अंशतः बाहर चलाया नहीं जाएगा जब तक कि इसका "अद्वयान और निकोबार द्वीप, पोर्ट ब्लेयर के पत्तन उप संरक्षक" द्वारा रजिस्ट्रीकरण नहीं होता हो तथा लाइसेंस जारी नहीं किया जाता हो । नियम 67 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने वाले प्रत्येक बन्दरगाह यान के स्वामी आई.आर.एस. सर्वेक्षक द्वारा सर्वेक्षण के लिए ऐसे जलयान लाएंगे जिनकी टन क्षमता का विनिर्धारण विनिर्दिष्ट ढंग से किया गया हो । सर्वेक्षक बन्दरगाह जलयान की टन क्षमता बनावट और उसकी पहचान बताते हुए ऐसे अन्य विवरणों का उल्लेख करते हुए जो विहित किए जाएं एक प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे ।

और सर्वेक्षक द्वारा दिया जाने वाला प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण से पूर्व रजिस्ट्रार को दिया जाएगा

67. रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन - बन्दरगाह जलयान के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन अनुसूची के प्ररूप 'घ' में लिखित रूप में तथा एक शपथ पत्र तथा प्रमाण पत्र की फोटो प्रति तथा निम्नलिखित विवरण के साथ पत्तन उपसंरक्षक, पोर्ट ब्लेयर को किया जाएगा।

- (क) स्वामी का नाम तथा पता अथवा पोर्ट ब्लेयर में उसके सम्यक्तः प्राधिकृत अधिकर्ता का नाम और पता।
- (ख) बोट/फ्लौट का विवरण और
- (ग) विद्यमान या अपेक्षित लाइसेंस की प्रकृति, स्थोरा या यात्री।

68. रजिस्ट्रीकरण रद्द करना - एक बोट/फ्लौट की रजिस्ट्रीकरण संख्या सम्पूर्ण कार्य काल में पहचान संख्या के रूप में लागू रहेगा जब तक कि :-

- (क) बोट/फ्लौट तीन वर्ष की अवधि तक बिना लाइसेंस के रहता है।
- (ख) बोट/फ्लौट को बोट सर्वेक्षक द्वारा और आगे सेवा के लिए बेकार मान लिया गया हो।
- (ग) फ्लौट/बोट पर प्रदर्शित नम्बर अभिलेख हो गया हो और खोजा नहीं जा रहा हो और
- (घ) फ्लौट/बोट की लम्बाई-चौड़ाई बदल दी गयी हो।

69. लाइसेंस के लिए आवेदन - फ्लौट/बोट जहाज से उतारने वाले छोटे बोट के लाइसेंस के लिए प्रत्येक आवेदन अनुसूची के प्ररूप 'ई' में लिखित रूप में उप पत्तन संरक्षक अंडमान और निकोबार द्वीप को दिया जाएगा जिसमें निम्नलिखित विशिष्टियां होंगी :-

- (क) स्वामी का नाम व पता, या
- (ख) पोर्ट ब्लेयर में उसका सम्यक्तः प्राधिकृत अधिकर्ता का नाम और पता
- (ग) फ्लौट/बोट का विवरण
- (घ) उप पत्तन संरक्षक, अंडमान और निकोबार द्वीप द्वारा फ्लौट/बोट पर रजिस्ट्रीकृत संख्या मार्का अथवा रजिस्ट्रीकरण के उपबन्धों के अनुसार चिह्नित रजिस्ट्रीकृत संख्या और
- (ङ) फ्लौट/बोट के प्रभासी स्थान का नाम

70. संरक्षण का सक्षम प्रमाण पत्र - कोई भी फ्लौट/बोट को अंडमान तथा निकोबार के बन्दरगाहों की सीमाओं के भीतर चलने की अनुमति नहीं होगी जब तक कि वह अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह अन्तर्देशीय जलयान (सक्षमता प्रमाण पत्र) दिनांक 1972 के अनुसार जारी सक्षम प्रमाण पत्र संरक्षण के प्रभार में न हो।

71. बिना लाइसेंस वाले बन्दरगाह यान - अंदमान और निकोबार द्वीप के घोषित पत्तन में पहुंचने वाले प्रत्येक बन्दरगाह यान यदि बिना लाइसेंस के हो और वह माल उतारना चाहता हो तो पत्तनों के उपसंरक्षक से तत्काल माल उतारने के परमिट के लिए आवेदन करेगा । कोई भी बन्दरगाह यान जो इस नियम के अंतर्गत माल उतारता है उसे पत्तन में प्रवेश की तारीख से 15 दिन के भीतर सर्वेक्षण तथा लाइसेंस के लिए ऐसे जलयानों के रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के पास आवेदन करेगा ।
72. स्थोरा बोट के कर्मिंदल - प्रत्येक फ्लौट या मालवाहक बोट जो पत्तन में चलते हैं को अनुमोदित रक्षा-बोया रखना होगा या इनके स्थान पर कुछ अन्य जिसके साथ रक्षा रस्सी लगी होनी चाहिए जिसकी परिधि एक इंच तथा लम्बाई 10 पूरसा से कम नहीं होनी चाहिए ।
73. यात्री बोट के कर्मिंदल - प्रत्येक यात्री नौका जो पत्तन में चलते हैं को स्वीकृत रक्षा-बोया जिसकी संख्या दो से कम नहीं होनी चाहिए या इनके स्थान पर कुछ अन्य जिसके साथ रक्षा रस्सी लगी होनी चाहिए जिसकी परिधि 1 इंच तथा लम्बाई 10 पूरसा से कम नहीं होनी चाहिए और यदि वह 40 से अधिक यात्री लेने का लाइसेंसीकृत हो तो अतिरिक्त अनुमोदित रक्षा-बोया या इसके स्थान पर अन्य जिसके साथ रक्षा रस्सी लगा होनी चाहिए जो प्रत्येक अतिरिक्त बीस यात्रियों के लिए या उसके भाग के लिए होगा ।
74. लोड लाइन - प्रत्येक फ्लौट/बोट जो रजिस्ट्रीकृत 28 क्यूबिक मीटर से अधिक हो को अपना लोड लाइन तय करना होगा जो किसी भी समय डूबेगा नहीं तथा उसे काले पृष्ठभूमि पर सफेद रंग से हल के रूप में चिन्हित किया जाएगा । यह निशान सर्वेक्षण के समय आई.आर.एस. सर्वेक्षक द्वारा लगाया जाएगा ।
75. यात्री पट्टिका का प्रदर्शन - प्रत्येक नौका जिसके पास यात्री लेन का लाइसेंस हो को एक यात्री पट्टिका प्रदर्शित करना होगा जिस पर बोट की रजिस्ट्रीकृत संख्या, लाइसेंस संख्या, कितने यात्री लेने के लिए प्राधिकृत है, जहाज कर्मियों की संख्या तथा लाइसेंस की समाप्ति तारीख अंग्रेजी तथा हिन्दी में दिखाना होगा ।
76. लाइसेंस का निरीक्षण - पत्तन में चल रहे प्रत्येक फ्लौट या बोट का प्रभारी सारंग अपने स्वयं का लाइसेंस तथा अपने फ्लौट/बोट का लाइसेंस रखेगा जिसे बोर्ड द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत बन्दरगाह मास्टर/सहायक बन्दरगाह मास्टर/कर्मचारीवृंद द्वारा मांग

करने पर दिखाएगा । किसी भी यात्री के अनुसंध पर यात्री-बोट के लाइसेंस को भी निरीक्षण के लिए दिखाना होगा ।

77. फ्लौट/बोट लाइसेंस क अभिग्रहण - फ्लौट/बोट के मालिक या अभिकर्ता या सारंग द्वारा इस नियम की या लाइसेंस के किसी शर्त का उल्लंघन करने के मामले में बन्दरगाह मास्टर/सहायक बन्दरगाह मास्टर द्वारा या बोर्ड द्वारा इस प्रकार प्राधिकृत कोई भी अधिकारी/कर्मचारीवृंद द्वारा फ्लौट/बोट को जब्त कर लिया जाएगा और जब तक यह विवाद हल न हो जाए पुलिस अभिरक्षा हिरासत में रखेगा । बोट/फ्लौट बिना लाइसेंस के या अवधि समाप्ति वाले लाइसेंस के साथ या बिना लाइसेंस वाले सारंग के साथ या सक्षमता प्रमाण पत्र की अवधि समाप्ति वाले सारंग के साथ चलते हुए पाए गए तो पुलिस द्वारा अभिगृहित किया जा सकता है ।
78. लाइसेंस की अवधि :- इन नियमों के अन्तर्गत जारी प्रत्येक लाइसेंस यदि प्रतिसंहत न किया गया हो तो सामान्यतः जारी करने की तारीख से लगातार एक वर्ष के लिए प्रभावी होगी, यदि आवश्यक समझा जाता है तो बोट/फ्लौट को लाइसेंस एक वर्ष से कम अवधि के लिए भी स्वीकृत की जा सकती है । गुम हो गए या विकृत लाइसेंस के बदले लाइसेंस की दूसरी प्रति भी जारी की जा सकती है । प्रत्येक अवधि समाप्त या प्रतिसंहत लाइसेंस को बिना विलम्ब उप पत्तन संरक्षक के हवाले करना होगा ।
79. यात्री वहन :- कोई भी व्यक्ति जो पत्तन में किराए पर लाइसेंस वाले यात्री बोट का प्रभारी होगा, बिना उचित कारण के उचित किराया देने वाले किसी भी यात्री को लेने से इन्कार नहीं कर सकेगा ।
80. बन्दरगाह यान का नियंत्रण :- सभी बन्दरगाह यान जो पत्तन सीमा के भीतर चलते हैं, के पास पर्याप्त शक्ति होनी चाहिए ताकि वे समुद्रगामी जलयान के आने जाने के लिए आवश्यक नौचालन मार्ग/जलमार्ग खाली रखने में सक्षम हो ।
81. समुद्रगामी जलयान के लिए निकासी क्षेत्र :- अंदमान और निकोबार द्वीप क पत्तनों के नौचालन मार्ग को समुद्रगामी जलयान के युक्तिचालन के लिए सभी समय खाली रखना होगा ।

82. समुद्रगामी जलयान के समीप बन्दरगाह यान के जाने पर निर्बंधन :- कोई बन्दरगाह यान को किसी भी समुद्रगामी जलयान जब बन्दरगाह में प्रवेश करते हो या भिड़ते हो या इसके विपरीत तब उसके समीप जाने की अनुमति नहीं होगी ।
83. संचालन पर निर्बंधन :- कोई समुद्रगामी जलयान लंगर के लिए प्रवेश या जेट्टी में भिड़ने के लिए जा रहे हो तो दिन के समय अन्तर्राष्ट्रीय संहिता ध्वज 'क' जलयान की चोटी पर लहरा रहा हो या रात्रि के समय दो बत्ती लम्बवत प्रदर्शित हो अर्थात् सफेद बत्ती के ऊपर छह: फीट की दूरी पर लाल बत्ती जो क्षितिज के चारों ओर दृष्टिगोचर हो, उस समय कोई भी बोट उसके समीप नहीं जाएगा ।
84. अन्तर्देशीय जलयान :- कोई भी फ्लौट/बोट अन्तर्देशीय जलयान के बगल में, घाट लगाने, माल को उतारने तथा चढ़ाने या कोई भी जलयान जो समुद्रगामी जलयान न हो के समीप खड़ा नहीं होगा सिवाय जब ऐसे फ्लौट/बोट समान उतार या चढ़ा रहा न हो ।
85. मछली पकड़ने वाले बोट :- मछली पकड़ने वाले बोट अन्तर्देशीय यानों तथा बन्दरगाह जलयानों के लिए लागू सभी नियमों का पालन करेंगे । पत्तन सीमा के भीतर मछली पकड़ने की अनुमति नहीं होगी तथा मछुवारों को पत्तन मार्ग/जलपथ के आर-पार स्लिंग/जाल डालने की अनुमति नहीं होगी ।
86. लकड़ी की डिंगियाँ :- कोई भी लकड़ी की डिंगी जिसका जलयान और तट के नौका घाट के बीच यात्रियों तथा माल को लाने ले जाने के लिए प्रयोग किया जाता है, को विहित शुल्क का भुगतान करके हार्बर मास्टर से चलने की अनुमति पत्र प्राप्त करना होगा । इस प्रकार चलने के लिए अनुमति पत्र की वैधता, उप पत्तन संरक्षक द्वारा जारी यात्री लाइसेंस/प्रमाण पत्र के अनुरूप होनी होगी ।
87. बत्तियों का प्रदर्शन : (क) प्रत्येक बन्दरगाह जलयान चाहे वह लंगर पर हो या जलमार्ग में, को सूर्यास्त से सूर्योदय के बीच डेक के ऊपर कम से कम 1.83 मीटर की ऊँचाई पर मौसम रोधी लालटेन में एक समान तथा निरन्तर प्रकाश देने वाली उचित शक्ति वाली एक सफेद बत्ती जो कम से कम एक समुद्री मील की दूरी से क्षितिज के चारों ओर से देखी जा सके, प्रदर्शित करनी होगी ।
- (ख) प्रत्येक बन्दरगाह जलयान जिसे स्थिर नौकाओं को खींचने के काम में लगाया गया हो यदि बगल में बांध कर खींच रहा हो तो जलयान के बाहरी छोर पर डैक के ऊपर

बने निर्माणों से कम से कम 91 से.मी. ऊपर उचित तरीके से बने लालटेन में साफ, एक समान और अखंडित सफेद बत्ती द्वारा प्रकाश करना होगा जिसे 2 समुद्री मील की दूरी से क्षितिज के चारों ओर से देखा जा सकेगा। यदि पीछे बांध कर खींचा जा रहा हो तो इसी प्रकार का सफेद प्रकाश बिल्कुल पीछे डैक से 1.83 मीटर ऊपर प्रदर्शित करना होगा।

88. स्थिर नौका :- प्रत्येक स्थिर नौका लाइट या फ्लैट पत्तन में समुद्रगामी जलयान को

(क) यदि रात्रि के समय बगल में बांधकर खींच रहा हो तो जहाज के बाहरी छोर पर डैक के ऊपर बने निर्माणों से कम से कम 91 से.मी. ऊपर उचित तरीके से निर्मित लालटेन में साफ एक समान और अखंडित सफेद बत्ती द्वारा प्रकाश करना होगा जिसे कम से कम 2 समुद्री मील की दूरी से क्षितिज में चारों ओर से देखा जा सकेगा।

(ख) यदि पीछे बांधकर खींच रहा हो तो इसी प्रकार की सफेद बत्ती बिल्कुल पीछे डैक से 1.83 मीटर ऊपर प्रदर्शित करनी होगी।

89. अग्नि स्थल :-

फ्लौट/बोट में उचित रूप से निर्मित लोहे की रसोईघर या अग्नि स्थल जो डैक पर या सर्वेक्षक के निदेशानुसार फ्लौट/बोट के अन्य स्थान पर रखा जाएगा को छोड़कर कहीं भी आग नहीं जलाई जाएगी।

90. खोया सामान :- जब कभी किसी यात्री का सामान बोट में छूट जाता है तो उसे उसी समय बोट के प्रभारी व्यक्ति द्वारा नजदीक के पुलिस थाना के प्रभारी अधिकारी को भेजना होगा।

91. दुर्घटना की रिपोर्ट :- जब कभी फ्लौट/बोट में कोई दुर्घटना होती है तो अभिकर्ता या उस फ्लौट/बोट के प्रभारी व्यक्ति को अतिशीघ्र नजदीक के पुलिस थाना में जाकर तथा प्रभारी अधिकारी को दुर्घटना से जुड़े सम्बंधित परिस्थितियों की रिपोर्ट देनी होगी।

92. दुर्घटना के पश्चात प्रमाण पत्र जारी करना :-

(क) मालिक, अभिकर्ता या फ्लौट/बोट के प्रभारी व्यक्ति को नियम 91 के उपबन्धों को पूरा करने के पश्चात नजदीक के पुलिस थाना में तथा उप पत्तन संरक्षक, अण्डमान और निकोबार द्वीप के पास फ्लौट/बोट के लाइसेंस के साथ दुर्घटना का स्वरूप बताते हुए तथा आवश्यक मरम्मत जो की जानी है का विवरण देते हुए लिखित रूप में रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

(ख) रिपोर्ट प्राप्त होने पर उप पत्तन संरक्षक फ्लौट/बोट का परीक्षण कराएगा तथा की जाने वाली मरम्मत के संबंध में लिखित रूप से विनिर्दिष्ट करेगा ।

(ग) उप नियम (ख) के अन्तर्गत इस प्रकार विनिर्दिष्ट मरम्मत के सम्यक्त्तः पूरा किए जाने के पश्चात् फ्लौट/बोट को उप पत्तन संरक्षक, अंदमान और निकोबार द्वीप, पोर्ट ब्लेयर के समक्ष पुनः प्रस्तुत करना होगा ।

(घ) मरम्मत के संबंध में समाधान हो जाने पर उप पत्तन संरक्षक, अंदमान और निकोबार द्वीप उप नियम (क) में निर्दिष्ट लाइसेंस को संलग्न करते हुए लिखित में इस आशय का प्रमाण पत्र जारी करेगा. उसी के आधार पर ही फ्लौट/बोट को पत्तन की सीमा में चलने के लिए अनुज्ञात की जा सकेगी ।

93. स्वामी या सारंग की जिम्मेदारियाँ :- इन नियमों के अंतर्गत अपनी अन्य जिम्मेदारियों को प्रभावित किए बगैर किसी भी बोट का स्वामी, सारंग या प्रभारी व्यक्ति, विशेष रूप से जिम्मेदार होगा कि, -

(क) इन नियमों के द्वारा अपेक्षित संख्या में कर्मी दल तथा जीवन रक्षा उपकरण बोट में उपलब्ध है ।

(ख) बोट पूर्ण रूप से स्वच्छ है ।

(ग) इन नियमों द्वारा विहित रीति में दोनों तरफ रजिस्ट्रीकृत संख्या साफ-साफ लिखी गई है ।

(घ) बोट तथा सारंग दोनों के वैध लाइसेंस उपलब्ध है ।

(ङ) लाइसेंस में विनिर्दिष्ट गियर, रस्से और जीवन रक्षा उपकरण सुलभ कराए गए हैं तथा उक्त सही ढंग से रखरखाव किया जा रहा है ।

(च) लोड लाइन साफ-साफ अंकित है तथा किसी भी समय डूबना नहीं है ।

(छ) बोट, यदि यात्रियों का वहन कर रहा है तो जितनी संख्या के लिए उनके पास लाइसेंस है उससे अधिक यात्री नहीं लिए गए हैं ।

(ज) बोट को सभी समय चलाए रखना होगा, ताकि समुद्रगामी जलयानों के लिए नौचालन मार्ग खाली रहे ।

(झ) बोट/फ्लौट पोत के आवागमन में किसी परिस्थिति में दखल नहीं देगा या पत्तन या पोत के कार्य में कोई बाधा नहीं पहुँचाएगा ।

(ग) फ्लौट/बोट को पत्तन में कर्मीदल रहित नहीं रखा जाएगा ।

(ट) फ्लौट/बोट चोरी, तस्करी, भूषण आदि किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगा।

94. बन्दरगाह यान के लिए घाट

सभी बन्दरगाह जलयानों को उप पत्तन संरक्षक द्वारा पत्तन के नाम निर्दिष्ट क्षेत्र में घाट पर ठहराया जाएगा । बोट के लिए जलयान सम्बन्धी शुल्क के अधीन लागू दरों के अनुसार प्रभारित होंगी ।

अध्याय - 5

जलयान विभंजन के लिए नियमावली

95. पोत विभंजन के लिए आवेदन :-

यदि कोई स्वामी जलयान को सेवा योग्य न रह जाने पर ढ़ाना या विभंजन करना चाहता हो तो वह उप पत्तन संरक्षक को लिखित में आवेदन करेगा तथा पोतपरिवहन महानिदेशक, भारतीय सीमाशुल्क तथा विक्रय कर प्राधिकारी द्वारा जारी निकासी प्रमाण और ऐसे अन्य दस्तावेज जो उप पत्तन संरक्षक द्वारा मांगा जाए को निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करेगा। अपेक्षित दस्तावेजों की प्रस्तुति से समाधान हो जाने पर उप पत्तन संरक्षक अंदमान और निकोबार द्वीप की सीमा के अन्दर जलयान को ढ़ाने के लिए अविकसित किनारा क्षेत्र में उपयुक्त घाट आंबटित कर सकेगा।

96. पोत विभंजन से सम्बंधित करार :-

संबंधित जलयान के मालिक को जहाज के मामले की परिस्थिति तथा पुर्जे अलग-अलग करने विभंजन या नष्ट करने में शामिल जोखिम की मात्रा का ध्यान रखते हुए जब भी अपेक्षित हो उप पत्तन संरक्षक द्वारा अधिकथित किए निर्बंधन और शर्तों पर औपचारिक करार करना होगा

97. प्रभारों का भुगतान :-

मालिक को उप पत्तन संरक्षक द्वारा मांगे जाने पर लंगर घाट मूरिंग/घाट/किराया/सुखी गोदी प्रभार किनारे चढ़ाने का प्रभार और स्थान प्रभार जैसी सेवाओं के लिए तथा अन्य लागू प्रभार का जब और जैसे मांग किया जाएगा तत्काल भुगतान करना होगा।

98. पोत विभंजन के लिए किसी अनुसूचित बैंक से बैंक गारंटी

यदि जलयान आंशिक रूप से या पूरा डूब रहा हो या ध्वस्त हो रहा हो तो पत्तन की सुरक्षा, अन्य जलयानों की सुरक्षा या नौचालन मार्ग साफ रखने के उद्देश्य से बचाव कार्य जिसे उप संरक्षक द्वारा किया जाएगा उसकी लागत के लिए जलयान के मालिक को मांगे जाने पर बोर्ड के मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा अनुमोदित तथा उप पत्तन संरक्षक द्वारा विहित प्ररूप में अनुसार किसी ऐसे बैंक से जिसका मुख्य कार्यालय अथवा शाखा पोर्ट ब्लेयर में हो, बैंक गारंटी प्रस्तुत करना होगा। राशि तथा बैंक गारंटी को अन्य निबंधन को विनिश्चित करने में उप पत्तन संरक्षक का विनिश्चय अन्तिम होगा।

99. आवश्यक परिश्रम के बिना पोत विभंजन :-

(i) यदि उप पत्तन संरक्षक द्वारा अपेक्षित अनुसार आवश्यक परिश्रम सहित स्वामी जलयान का विभंजन या विघटित कार्य करने में विफल हो जाता है तो बोर्ड अपने किसी अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना स्वामी के खर्च पर स्वयं या अन्य अभिकरणों के माध्यम से विभंजन या विघटन और/या बिक्री और/या जलयान के इस प्रकार विघटित या विभंजित भाग को हटाने का कार्य स्वामी की लागत और खर्च पर करवाएगा।

(ii) स्वामी पद के अन्तर्गत उसके अभिकर्ता, प्रतिनिधि या जलयानों के अभिकर्ता सम्मिलित है ।

100. नियमों का निर्वचन :-

इस अध्याय में पोट विभंजन से संबंधित इन नियमों के निर्वचन या कार्य करण के बारे में किसी विवाद की दशा में उसे विनिश्चय के लिए अध्यक्ष को निर्देशित किया जाएगा ।

अध्याय-6

पत्तन सम्पत्ति की क्षति

101. किसी जलयान या कर्मी द्वारा बोर्ड के किसी कार्य या सम्पत्ति को क्षति पहुँची हो तो उस जलयान के मास्टर और स्वामी इसके लिए दायी होंगे और बोर्ड को उनके जलयानों को तब तक गोदी में रोके रखने का अधिकार होगा जब तक कि कारित क्षति की राशि के लिए प्रतिभूति नही दे दी जाती ।

परन्तु, बोर्ड के किसी अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना अध्यक्ष या उप पत्तन संरक्षक क्षति/नुकसान की अनुमानित लागत की पर्याप्त प्रतभूति स्वामी/मास्टर द्वारा देने पर जलयान या जलयानों को पत्तन से जाने की अनुमति दे सकता है ।

अध्याय-7

पेट्रोलियम वहन करने वाले जलयान

102. पेट्रोलियम जलयानों के विनियम - कोई भी पेट्रोलियम जलयान तब तक लंगर घाट से आगे नहीं जाएगा जब तक कि उसे घाट आबंटित न कर दिया जाता ।

103. पेट्रोलियम वाहक जलयान के मास्टर या पौत के अभिकर्ता द्वारा घोषणा :-

(क) पेट्रोलियम या कोई अन्य पदार्थ जिसका प्रज्वलनांक 65.5° सेंटीग्रेट (150° फॉरेनहाइट) से कम हो, के वहन करने वाले प्रत्येक जलयान के मास्टर को अंदमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पत्तन के भीतर आने से पूर्व अपने हस्ताक्षर से एक लिखित उद्घोषणा पायलट के सुपुर्द करनी होगी । परन्तु यह कि यदि जलयान के पहुँचने से पहले ही उस जलयान का अभिकर्ता अपने हस्ताक्षर से लिखित उपर्युक्त घोषणा उप पत्तन संरक्षक के सुपुर्द कर देता है तो ऐसा कर देने पर जलयान के मास्टर द्वारा इसे देना आवश्यक नहीं होगा ।

(ख) अधिकर्ता पूरे विवरण सहित सभी परिसंकटमय स्थोरा की सूची उप पत्तन संरक्षक को देगा। मास्टर उनके द्वारा जारी सभी नियमों, विनियमों और अनुदेशों के अनुपालन के लिए उत्तरदायी होगा परन्तु यह कि परिस्थितिवश उप पत्तन संरक्षक जेट्टी/बन्दरगाह में उतारने के लिए लाए गए माल की मात्रा में कमी कर सकता है, जिसकी अधिकतम सीमा इस प्रकार होगी :-

(i) खतरनाक पेट्रोलियम या अन्य पदार्थ जिनका प्रज्वलनांक 24.4° सेंटीग्रेट (76° फॉरेनहाइट) से कम हो - 5 टन।

(ii) बिना खतरनाक पेट्रोलियम या अन्य पदार्थ जिनका प्रज्वलनांक 65.5° सेंटीग्रेट (150° फॉरेनहाइट) से कम हो - 100 टन।

104. कर्षनाव की उपलब्धता :- खतरे से रहित पेट्रोलियम से भरा कोई भी पेट्रोलियम जलयान तथा खाली किया गया कोई भी जलयान टैंकों के लिए गैस मुक्त प्रमाण पत्र के बिना, आवागमन नहीं कर सकेगा जब तक कि उसमें कर्ष नाव उपस्थित न हो।

105. प्रपूज पेट्रोलियम खाली करना तथा प्रपूज पेट्रोलियम या प्रज्वलनशील द्रव को भरना :

(क) पेट्रोलियम जलयान निम्नलिखित खाली करेंगे/भरेंगे

(i) थोक में 'क' वर्ग के पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव जिनका प्रज्वलनांक 23° से. (73° फॉरेनहाइट) से कम हो को तेल घाट में आयातक/निर्यातक के भण्डारण टैंकों से/में तेल घाट पर सीधा अवतारण नौभरण कर सकेंगे,

(ii) 'ख' तथा 'ग' वर्ग के पेट्रोलियम या प्रज्वलनशील द्रव जिनका प्रज्वलनांक 23° से. तथा उससे अधिक हो को तेल घाट में आयातक/निर्यातक के भण्डारण टैंकों से/में सीधा तेल घाट पर अवतारण/नौभरण कर सकेंगे।

106. केस तेलवाहक जलयानों का अवतारण या नौभरण :- प्रत्येक केस तेलवाहक जलयान पेट्रोलियम डिपो से/में पेट्रोलियम या प्रज्वलनशील द्रव का अवतारण या नौभरण करेगी ऐसा कोई भी जलयान अवतारण या नौभरण कार्य तब तक आरम्भ नहीं करेगी जब तक कि उप पत्तन संरक्षक बन्दरगाह मास्टर यह प्रमाणित नहीं करते हों, कि -

(i) सहायक आयुक्त सीमा शुल्क ने पेट्रोलियम या जैसा भी मामला हो ज्वलनशील द्रव को जमीन पर उतारने या नौभरण के लिए अनुमति प्रदान कर दी है।

(ii) छिद्र केसों या ड्रम या अन्य आधान के भेजने के लिए उचित प्रबन्ध न कर दिया गया हो।

(iii) आधान पेट्रोलियम नियम, 1976 की अपेक्षाओं को पूरा करता है ।

107. लाइटर नौका में अवतारण

(i) किसी भी मामले में केस तेल वाहक जहाज, पूर्वगामी नियमों के अधीन किसी लाइटर नौका में किसी भी प्रकार के पेट्रोलियम को खाली नहीं करेगा बशर्ते कि ऐसे लाइटर सूर्योदय तथा सूर्यास्त के बीच किसी भण्डारण शेड में साफ तथा अवतारण के लायक हो: परन्तु यह तब जब कि प्रत्येक ऐसी लाइटर नौका को इस प्रयोजन के लिए जलयान के रजिस्टार/सर्वेक्षक द्वारा सम्यक्तः लाइसेंस दिया गया हो ।

परन्तु यह और कि पेट्रोलियम से भरी कोई भी लाइटर नौका को बन्दरगाह में रात भर रोका नहीं जाएगा जब तक कि ऐसा करने से पहले उप पत्तन संरक्षक से विनिर्दिष्ट लिखित अनुमति न प्राप्त कर ली गई हो ।

(ii) इस नियम के उपबन्ध द्रव हाईड्रोकार्बन सहित या रहित सभी प्रज्वलनशील स्थोरा पर भी लागू होंगे ।

108. अग्नि :- पेट्रोलियम से भरे केसों, ड्रमों या अन्य किसी संग्रहण पात्र को वहन करने वाले किसी भी बोट में आग या अनियन्त्रित अग्नि और किसी प्रकार की धुम्रपान की अनुमति नहीं होगी ।

109. अवतारण के लिए अपर्याप्त सुविधाएं :- यदि सहायक आयुक्त, सीमा शुल्क किसी भी समय यह घोषित करता है कि किसी भी पेट्रोलियम जलयान से पेट्रोलियम के अवतारण के लिए स्थान अनुपयुक्त है तो उप पत्तन संरक्षक उस जलयान को पत्तन के भीतर लंगर पर जाने का निदेश दे सकता है ।

110. अपने बल पर अवतारण या नौभरण :- उप पत्तन संरक्षक के लिखित अनुमति के बिना कोई भी पेट्रोलियम जलयान अपने बल पर प्रंपुज मात्रा में 'क' या 'ख' श्रेणी के पेट्रोलियम का अवतारण या नौभरण नहीं कर सकेगा ।

111. कम मात्रा में पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव :- प्रंपुज पेट्रोलियम से अन्यथा मात्रा में 'क' श्रेणी का पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव जिसकी मात्रा 5 टन (5000 लिटर) से अधिक नहीं हो तथा 'ख' श्रेणी का पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव 50 टन (50000 लिटर) से अधिक नहीं हो, वहन करने वाला जलयान बन्दरगाह या जेट्टी में निम्न शर्तों पर उतार सकता है :

(i) कि 'क' श्रेणी के पेट्रोलियम के लिए पेट्रोलियम नियम, 1976 के अधीन पदत आयात लाइसेंस हो ।

- (ii) प्रत्येक प्रेषिती जो 300 लिटर से अधिक मात्रा में पेट्रोलियम आयात करता हो,
..... को पेट्रोलियम नियम, 1976 के प्ररूप 2 में स्वयं या उनके अधिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित भण्डारण स्थान का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा: परन्तु यह कि 'क' श्रेणी के पेट्रोलियम की मात्रा 5 टन (5000 लिटर) या 'ख' श्रेणी के पेट्रोलियम की मात्रा 50 टन (50000 लिटर) से अधिक न हो, को उप पत्तन संरक्षक की पूर्व अनुमति से लाईटर में या बोट में अवतारित कर सकते हैं ।

परन्तु यह और है कि 'क' श्रेणी का पेट्रोलियम प्रपुंज से अन्यथा, किसी भी मात्रा में गोदी में या जेट्टी में या साइड पर बोट या लाइटर्स में अवतारित कर सकते हैं ।

112. स्वच्छता: प्रत्येक जलयान जो पेट्रोलियम या अन्य ज्वलनशील द्रव अवतारित कर रहा हो, यदि वह सीधे समुद्र में जाता हो तो बन्दरगाह मास्टर के अन्यथा निदेश के बिना विलम्ब किए, निर्धारित मूरिंग स्थल में चला जाएगा और वहां तब तक खड़ा रहेगा जब तक कि यह पेट्रोलियम या ज्वलनशील भाप से मुक्त नहीं हो जाता ।

परन्तु यह कि बन्दरगाह मास्टर यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि वार्फ या डॉक में या नौचालन मार्ग में तेल, तैलीय जल या गंदगी नहीं गिरे इसके लिए सम्यक पूर्ववधानी बरत रहा है तो उसी घाट में जहां यह अवतारण किया था इसकी सफाई करवाने की अनुमति प्रदान कर सकता है ।

113. डॉक के भीतर पूर्वावधानियां:

- (i) 'ख' श्रेणी के पेट्रोलियम को खाली करने वाला प्रत्येक जलयान दोनों छोर में एक-एक नौका के साथ 10 से.मी. तार में लटकन/भार लगाएगा तथा जलयान के भीतर का छोर नजदीगी बिट के सम्मुख रखा होगा तथा जलयान के बाहर का छोर जल के भीतर लटका होगा ।
- (ii) प्रत्येक ऐसे लटकन (लम्बमान) की लम्बाई 15 फैदम होगी और वह रैलिंग से हल्के से कसी होगी ।

114. पेट्रोलियम का भरना :- कोई भी जलयान सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच किसी भी बोट या जल नौका से पेट्रोलियम नहीं लेगा । सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच किसी भी बोट या जल नौका से जलयान को पेट्रोलियम लेने की अनुमति होगी :-

- (क) नौचालन मार्ग में लंगर स्थान में ;
(ख) जेट्टियों में ;
(ग) सूखी गोदी (ड्राईडॉक) में, यदि डॉक मास्टर/बन्दरगाह मास्टर का यह समाधान हो जाता है कि पेट्रोलियम का प्रज्वलनांक 65.5° से. 150° फा. से कम नहीं है ।

115. ईंधन लेने के दौरान पूर्वावधानियां प्रत्येक जलयान बंकरों के लिए पेट्रोलियम चढाते समय निम्नलिखित शर्तों का पालन करेंगे कि :-
- (क) जलयान का मास्टर या फस्ट मेट जलयान में होगा और वह यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगा कि ईंधन लेने के नियमों का पालन किया जा रहा है तथा सुरक्षा के लिए उचित पूर्वावधानियां बरती जा रही है ।
- (ख) जलयान का एक अधिकारी इसकी निगरानी करेगा और एक परिचर लचीला जुड़नार
- (ग) लचीले तथा भीतर लगे पाइपों के 40 मीटर के भीतर धुम्रपान, खाना बनाने, खुली आग या भट्ठी की अनुमति नहीं होगी ।
- (घ) समुद्र, बन्दरगाह तथा जेट्टियों में किसी पेट्रोलियम को टपकने से बचाने के लिए पाइपों के नीचे उचित नाली या अन्य साधन की व्यवस्था करनी होगी ।
- (ङ) ईंधन प्रदाप करते समय जलयान के पम्प के पास एक परिचर हमेशा इयूटि पर उपस्थित रहेगा ।
- (च) पेट्रोलियम उत्पादों से बन्दरगाह जल का प्रदूषण सख्ती से प्रतिषिद्ध है और इसके लिए अभिकर्ता/जलयान उत्तरदायी होगा ।
116. यान को दूसरे जलयान के बगल में जाने की अनुज्ञा नहीं :- कोई भी अन्तर्देशीय जलयान या छोटे यान को 30.48 मीटर के अन्दर आने की अनुमति नहीं होगी :-
- (क) जब जलयान में/से पेट्रोलियम थोक मात्रा में लिया/उतारा जा रहा हो ।
- (ख) जब तक खाली किए जलयान की सभी तेल निकासी संयन्त्र बन्द नहीं कर दी जाती,
117. बोट और नौका का प्रमाणीकरण :- कोई भी बोट या नौका पत्तन के भीतर थोक मात्रा में पेट्रोलियम का तब तक परिवहन नहीं करेगा जब तक कि उसे रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी द्वारा लाइसेंस जारी नहीं होता और पेट्रोलियम नियम, 1976 के अनुसार समुचित प्राधिकारी द्वारा भी लाइसेंस प्राप्त नहीं होता ।
118. रात के समय कार्य पर निर्बंधन :- कोई भी जलयान सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच अंदमान और निकोबार द्वीप के पत्तन के भीतर पेट्रोलियम नहीं भरेगा/खाली करेगा या नहीं परिवहन करेगा परन्तु ये नियम पेट्रोलियम नियम, 1976 के उपबन्धों के अनुसार थोक मात्रा में तेल घाट पर तेल खाली कर रहे जलयानों पर लागू नहीं होगा ।
119. भारी पेट्रोलियम का यानांतरण :- कोई भी जलयान बन्दरगाह मास्टर की लिखित अनुमति से किसी भी दूसरे जलयान में भारी मात्रा में पेट्रोलियम श्रेणी 'ग' को यानांतरण कर सकेगा ।

120. जल में गन्दे पानी के विसर्जन पर प्रतिषेध :- यदि जलयान से इसका विसर्जन करना हो तो यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका अधिकर्ता इस प्रयोजन के लिए कूड़ा-करकट उठाने वाली नौका उपलब्ध कराया है । अन्यथा भारतीय पत्तन

अधिनियम, 1908 की धारा 21 के अनुसार 5 लाख रु० तक का जुर्माना प्रभारित किया जाएगा ।

121. घास-फूस/लकड़ी पर निर्बंधन :- घास-फूस/लकड़ी उत्पादों से भरे किसी भी जलयान पर आग या धुप्रपान या खुली आग जलाने की अनुमति नहीं होगी ।

122. थोक मात्रा में तेल लेने वाले जलयान के लिए गैस रहित प्रमाण पत्र :-

- (i) थोक मात्रा में तेल लेने वाली किसी भी जलयान को अन्य जलयानों के साथ अन्दर आने की अनुमति नहीं होगी बशर्ते कि जलयान तेलघाट में जा रहा हो (या उस जलयान के मामले में जो ईंधन तेल लेकर डॉक में जा रहा हो) या सक्षम प्राधिकारी का इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया जाता है कि उसने वाष्प जांच उपकरणों की मदद से टैंकों, जलबन्धों, पम्प रूम और ऐसे अन्य भागों का, जैसा उसने उचित समझा, जांच किया, कर लिया है और लिखित रूप में यह प्रमाणित करता है कि टैंक, जलबन्ध, पम्प रूम और अन्य भाग पेट्रोलियम और पेट्रोलियम के वाष्प से मुक्त है और जलयान डॉक में प्रवेश करने के लिए उपयुक्त है ।
- (ii) सूखी गोदी (ड्राई डॉक) में जाने वाले प्रपुंज तेल जलयानों के मास्टर उपनियम (1) में निर्दिष्ट प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा ।
- (iii) पेट्रोलियम टैंकर के किसी भाग या फिटिंग में मरम्मत कार्य सूखी गोदी (ड्राई डॉक) या गीली गोदी (वेट डॉक) में तब तक नहीं की जाएगा जब तक ऐसे भाग या फिटिंग की सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच नहीं कर ली जाती और पेट्रोलियम वाष्प या पेट्रोलियम से रहित होने का प्रमाण पत्र लिखित रूप में नहीं दे दिया जाता ।
- (iv) इस नियम निर्दिष्ट प्रमाण पत्र जारी करते समय सक्षम प्राधिकारी उस पर वह अवधि निर्दिष्ट जिसके लिए और वे शर्तें जिसके अधीन ऐसा प्रमाण पत्र वैध रहेगा, विनिर्दिष्ट करेगा ।
- (v) परन्तु यह कि थोक तेलवाहक जलयान जिसने पिछले गैस मुक्त प्रमाण पत्र जारी होने के बाद से पेट्रोलियम जिसका ज्वलनांक 150° फा. हो नहीं वहन किया है और जो हल्के रंगरोगन तथा परीक्षण के लिए ही सूखी गोदी में आ रहा हो, को जलयान के मास्टर द्वारा यह प्रमाण पत्र देने पर कि टैंकों को उचित रूप से साफ किया है, सूखी गोदी में आने की अनुमति दे दी जाएगी । यदि सूखी गोदी (ड्राई डॉक) में प्रवेश

करने के पश्चात यह पाया जाता है कि जलयान में बड़े मरम्मत की आवश्यकता है तो ऐसी मरम्मत की जाने से पहले एक गैस मुक्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाएगा ।

123. किसी भी कक्ष (कम्पार्टमेंट) की मरम्मत के लिए अलग से प्रमाण पत्र :- प्रत्येक तेल जलयान जो गैस रहित, प्रमाण पत्र के साथ पत्तन में प्रवेश करता है किसी कक्ष (कम्पार्टमेंट) में खुली आग के प्रयोग के साथ मरम्मत कार्य को किए जाने से पहले उस कक्ष (कम्पार्टमेंट) के लिए एक और प्रमाण पत्र प्राप्त करेगा ।
124. कतिपय मामलों में गैस रहित प्रमाण पत्र आवश्यक :- पत्तन में प्रत्येक जलयान जो ईंधन के रूप में तेल का उपयोग करते हैं, बंकर में किसी भी प्रकार के मरम्मत से पहले, सक्षम प्राधिकारी से गैस रहित प्रमाण पत्र प्राप्त करेंगे ।
125. जलयान में अधिकारियों की उपस्थिति :- किसी भी पेट्रोलियम जलयान के पत्तन पर रहते समय, मास्टर तथा मुख्य इंजीनियर अधिकारी को इन नियमों के उपबन्धों को कार्यान्वित तथा प्रभावी करने के लिए जहाज पर उपस्थित रहेंगे ।
126. पेट्रोलियम जलयान में पेट्रोल के लादान या खाली करते समय या लादान अथवा खाली करने की तैयारी के दौरान, मास्टर तथा मुख्य इंजीनियर जहाज में उपस्थित रहेंगे । तथा यह देखेंगे कि जलयान तथा उसके स्थोरा की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए सभी पूर्वविधानियां बरती जा रही है तथा विशेष रूप से बॉयलर और मशीनरी आदि जातू हालत में रखा जाता है ताकि बंदरगाह मास्टर द्वारा यदि ऐसी अपेक्षा की जाए तो जलयान बिना किसी विलम्ब के स्थान छोड़ सके ।

अध्याय - 8

संकेत (सिगनल) तथा संचार प्रणाली

127. संचार तथा सेवा की प्रकृति :- डिगलीपुर, मायाबंदर, रंगत, पोर्ट ब्लेयर, हट बे, कार निकोबार, नानकौरी और कैम्पबैल बे के पत्तनों में एच-एफ आर टी/वी एच एफ आर टी तथा रेडियो टेलेक्स प्रणाली सुविधा उपलब्ध है तथा सभी समुद्रगामी जलयान इन पत्तनों से संपर्क स्थापित कर सकते हैं । जलयान को सुरक्षा, पोत आवागमन सेवाओं तथा पत्तन संचालन के लिए ही केवल सिगनल ट्रेफिक का प्रयोग करना चाहिए ।

128. सिगनल के पारेषण और प्राप्ति की प्रक्रिया :-

- (क) रेडियो संचार केवल जहाज से तट तक और तट से जहाज तक (स्टेशन लाइसेंस के उपबंधों के अनुसार) ही स्वीकार किए जाएंगे तथा इस नेटवर्क से किसी भी प्रकार का आम संप्रेषण नहीं किया जाएगा।
- (ख) सेवा की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं :-
- (i) दुखद संदेश या उसका उत्तर
 - (ii) अतिआवश्यक संदेश या उसका उत्तर
 - (iii) सुरक्षा संदेश या उसका उत्तर
 - (iv) पत्तन संचालन तथा पोत संचलन सेवा
 - (v) मौसम संबंधी सेवाएं
 - (vi) पोत रिपोर्टिंग प्रणाली/स्थान दिशा तथा गति आदि की सूचना।
 - (vii) सरकारी संसूचनाएं।
- (ग) रिले प्रणाली :- केन्द्र प्रभारी जहां आवश्यक हो संदेश रिले करेंगे।
- (घ) प्रेषिती को संकेत पहुंचाना :- सभी अधिकर्ताओं/जलयान के स्वामियों या अन्य प्रेषितियों को पत्तन नियंत्रण टॉवर तथा पत्तन संचार केन्द्र से संदेश/संकेत प्राप्त करने हेतु अपना संदेशवाहक भेजना होगा।
- (ङ) अंदमान और निकोबार पत्तन संचार नेटवर्क के नियत आवृत्ति तथा कार्यक्रम।
- तटीय रेडियो स्टेशन तथा पत्तन नियंत्रण टॉवर (उच्च आवृत्ति) एच.एफ. (अत्याधिक उच्च आवृत्ति) वी.एच.एफ. रेडियो टेलीफोन के लिए दिन में 0600 से 2000 घंटे की आवृत्ति (फ्रीक्वन्सी) पर तथा रात में 2000 से 0600 घंटे तक की आवृत्ति पर निगरानी रखेंगे। दो प्रचालकों की तैनाती वाले केन्द्रों में 0500 से 2000 घंटे तक की और एक प्रचालक की तैनाती वाले केन्द्रों में 0830 घंटे से 1630 घंटे के बीच निगरानी रखी जाएगी।
- (च) उच्च आवृत्ति पारेषण पर प्रतिषेध :- पत्तन सीमा के भीतर किसी प्रकार की उच्च आवृत्ति पारेषण की अनुज्ञा नहीं है तथा लंगर में रुके जलयान पत्तन प्रचालन और पोत संचलन के लिए आवंटित रखरखाव अ. उच्च आ. चैनल पर लगातार निगरानी रखेंगे।

(छ) पारेषण पर प्रतिषेध :- सभी जलयान फालतू संकेतों के अनावश्यक पारेषण की अनुमति नहीं है। अप्राधिकृत या निजी प्रकृति के पारेषण या प्राप्ति निषिद्ध है।

(ज) उल्लंघन/दुरुपयोग :-

सिगनल भाषा/मैरीन शब्दावली का प्रयोग संचार हेतु किया जाना है। इस सर्किट में कोई अनुचित/अपभाषा के प्रयोग की अनुमति नहीं है। रेडियो विनियम/(कनवेंशन) संकेत के उल्लंघन की रिपोर्ट समुचित प्राधिकारी को की जाएगी। जब कभी भी भाषा की दिक्कत आती है तो अंतर्राष्ट्रीय संकेत संहिता का प्रयोग किया जाएगा।

129. सेवा दस्तावेजों का रखरखाव :- बेतार टेलीग्राफी अधिनियम, 1885 (1885 का 13) के अधीन अपेक्षित रेडियो संचार के लिए सेवा दस्तावेजों का रखरखाव सभी केन्द्रों द्वारा किया जाएगा। इन केन्द्रों का दूरसंचार मंत्रालय के बेतार निरीक्षकों द्वारा कालिकतः निरीक्षण किया जाएगा। केन्द्र प्रभारी सुनिश्चित करेंगे कि लाइसेंस पत्तन नियंत्रण टॉवर/ तथा तटीय रेडियो केन्द्रों के रेडियो कक्ष में विशिष्ट स्थान में रखा गया है।

130. पत्तन नियंत्रण टॉवर/तटीय रेडियो स्टेशन के आपरेटरों की अर्हता (सक्षमता प्रमाण पत्र):-

(क)(i) आपरेटर के पास नियम 130 के अधीन जारी सक्षमता प्रमाण पत्र होगा।

(ii) बेतार टेलीग्राफी अधिनियम -1885/आई एम ओ कनवेंशन के अंतर्गत जी एम डी एस एस (साधारण आपरेटरों का प्रमाण पत्र) को आपरेट करने के लिए जारी प्राधिकार।

(ख) नियम 130 (क) (i) के अधीन सक्षमता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पाठ्य विवरण :- अंतर्राष्ट्रीय सिगनल संहिता, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 पत्तन संचालन के लिए अधिसूचित नियम की जानकारी, मेरी टाइम समुद्री बोया सिस्टम 'क' की जानकारी सड़क नियम, रेडियो विनियम, स्थानीय बत्ती, भारतीय मेरीटाइम पत्तन सुरक्षा नियम के लिए तूफान संकेतों की संहिता ज्वारभाटा मापक के संचालन की जानकारी तथा कम्प्यूटर और संकाय बोर्ड द्वारा निश्चित अन्य विषयों की प्राथमिक जानकारी।

(ग) नियम 130(ख)के अधीन परीक्षाधीन आपरेटरों के परीक्षण के लिए और नियम 130(क)(i) के अधीन सक्षमता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए संकाय बोर्ड, मुख्य परीक्षक और सदस्य निम्नलिखित है :-

(i). उप पत्तन संरक्षक, अंडमान और निकोबार द्वीप, पोर्ट ब्लेयर मुख्य परीक्षक

(ii). प्रभारी अधिकारी, संचार केन्द्र, फोर्ट्रेस मुख्यालय संकायसदस्य
पोर्ट ब्लेयर ।

(iii). प्रबंधक(पत्तन सिगनल तथा संचालन) संकायसदस्य
प्रभारी अधिकारी, पत्तन नियंत्रण टावर/ तटीय
रेडियो स्टेशन, पोर्ट ब्लेयर

131. पत्तन नियंत्रण टावर द्वारा लॉग बुक का रखरखाव अपेक्षित है :

(क) सरकारी लॉग (सिगलन) :- ड्यूटी सिगलन आपरेटर को जलयानों के संचालन पर किए गए सभी अवलोकन को रिकार्ड करना होगा । लॉग बुक में निम्नलिखित सूचनाएँ शामिल होनी चाहिए :-

- (i) जलयान के दिखाई देने का समय
- (ii) दिशा, और प्रवेश अनुदेश दिया जाना
- (iii) जलयान को बांधने का अनुदेश दिया जाना ।
- (iv) विभिन्न नौचालन स्थलों से गुजरते समय जलयानों की स्थिति ।
- (v) भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 के अध्याय 6 के अनुसार पत्तन को दिए गए सिगलनों का समय तथा पत्तनों को दिए गए स्थानीय सिगलन ।
- (vi) पायलट के जलयान में चढ़ने और उतरने का समय ।
- (vii) पत्तन संचालन के लिए पत्तन यान तथा पायलट लांच की समय की व्यवस्था ।
- (viii) तूफान का विशिष्टियाँ/तूफान सिगनलों का सप्रदर्श (रात और दिन)
- (ix) जलयान का लंगर डालने की स्थिति तथा लंगर डालने का समय ।
- (x) ज्वार-भाटा, सूर्योदय और सूर्यास्त विशिष्टियाँ ।
- (xi) स्थानीय नौसंचालन साधन, संचार उपस्कर और सूर्योदय और सूर्यास्त के दौरान बन्दरगाह में जलयान की स्थिति ।
- (xii) घाट/जेट्टियों में जलयान भिड़ने का समय और जलयान की स्थिति बोलाई संख्यांक उपदर्शित करते हुए ।

- (xiii) बेड़े का निरीक्षण, बन्दरगाह यान फेरी सेवा की तथा समुद्री यानों का उतरने/चढ़ने की गतिविधियाँ ।
- (xiv) पत्तन पहुँचने तथा वहाँ से गुजरने वाले जलयानों को पहचान के संबंध में विशिष्टियाँ ।
- (xv) जलयानों की सुरक्षा पर किए गए सभी अन्य पर्यवेक्षण जिसमें लंगरों को खींचना तथा तटीय-जीवन सुरक्षा केन्द्र के रूप में प्रेक्षित की गई / अवलोकन किया गया संकेत शामिल है ।
- (xvi) आने वाले जलयान का ड्राफ्ट (आगे, पोत के बीच में तथा पीछे की गहराई)।
- (xvii) पत्तन प्रवेश संहिता का आबंटन
- (xviii) अन्य कोई सम्बन्धित प्रेक्षण ।
- (xix) स्थानीय मौसम को ब्यौरे ।
- (xx) जलयान पर खतरनाक स्थोरा के ब्यौरे ।

(ख) पोतपरिवहन रजिस्टर :- मास्टर के आगमन अधिसूचना (जैसे :- एन.आर.टी., जी.आर.टी. आने का समय, मास्टर का नाम, झंडा, पिछला पत्तन जहाँ से आया है, पत्तन प्रवेश संख्याक, आगामी बन्दरगाह जहाँ जाना है, पत्तन निकासी संख्या, स्थोरा तथा यात्री विवरण)के अनुसार जलयानों की विशिष्टियाँ दर्शाने वाले नौवहन रजिस्टर का रखरखाव पत्तन नियंत्रण टॉवर द्वारा किया जाएगा ।

(ग) पत्तन संचालन से सम्बन्धित रजिस्टर :- जलयान से सम्बन्धित प्रभार की वसूली के प्रयोजन के लिए एक वाउचर रजिस्टर रखा जाएगा जिसमें टग संचालन, पाइलेटिंग विवरण (आने तथा जाने) विभिन्न घाटों/जेट्टियों में जलयान भिड़ाने तथा किनारे से नल/नौका द्वारा पेय जल आपूर्ति का विवरण रखा जाएगा ।

(घ) जलयानों से संबंधित सेवाओं की आँकड़ा प्रविष्टि :-

जलयान संबंधित सेवाओं की कम्प्यूटर में उचित पत्तन प्रवेश कोड के साथ आँकड़ा प्रविष्टि की जानी है । जलयान के प्रस्थान के पश्चात जहाज के स्वामी/अधिकारियों को बिल भेज देने चाहिए । कम्प्यूटर बिल के साथ मूल वाउचर मुख्य लेखा अधिकारी के पास राजस्व वसूली के लिए भेजना चाहिए ।

(ङ) लाग बुक/रजिस्टर को रखने की प्रक्रिया :-

सभी शासकीय लॉग वी.एच.एफ/एच.एफ. अत्याधिक उच्च आवृत्ति/उच्च आवृत्ति लॉग रजिस्ट्रों में की गई प्रविष्टियों में ड्यूटी प्रचालक का हस्ताक्षर होना चाहिए । उस स्टेशन का प्रभारी कर्मचारी प्रत्येक दिन और प्रभारी अधिकारी महीने में एक बार हस्ताक्षर करेगा । पोत परिवहन के रजिस्टर में निम्नलिखित सूचनाएँ होना चाहिए ।

- (i) पत्तन में आने वाले जलयानों में कुल सकल टन भार ।
- (ii) पत्तन में आने वाले जलयानों में कुल शुद्ध टन भार ।
- (iii) घाटों पर के कुल पोतपरिवहन दिवस ।
- (iv) उतारे और चढ़ाये गए कुल पायलटों की संख्या ।
- (v) चढ़ाए गए और उतारे गए यात्रियों की कुल संख्या ।
- (vi) कुल आयात और निर्यात स्थोरा ।
- (vii) जलयान संबंधी सेवा से प्राप्त कुल उपार्जन ।

132 भारतीय वाणिज्यिक पोत की स्थिति बताने की प्रणाली (आई0 एन0 एस0पी0आई0आर0ई0 एस0) :-

पत्तन संचार केन्द्र/तटीय रेडियो केन्द्रों द्वारा मास्टर का नाम समुद्र में जलयान की स्थिति (अक्षांतर और देशांतर) कोर्स गति दर, झंडा पिछले और अगले पत्तन आदि की रिपोर्ट प्राप्त की जाती है । रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात फेक्स/टेलेक्स द्वारा फाटीस कमांडर अंदमान और निकोबार द्वीप को नेशनल ग्रिड और पोतपरिवहन महा निदेशक, मुम्बई को सूचना के लिए भेज दिया जाता है ।

133. नेवटेक्स :- तटीय रेडियो केन्द्र मौसमी संकट, 0403 यू टी सी और 1033 यू टी सी, एम एफ आवृत्तियों पर समुद्री क्षेत्र और समुद्री सुरक्षा सूचनाओं को प्रसारण करेगा.

134. विश्वव्यापी समुद्री संकट सुरक्षा प्रणाली (जी.एम.डी.एस.एस.) :- पोर्ट ब्लेयर तटीय रेडियो (सी.आर.एस) और नानकौरी तटीय रेडियो (सी.आर.एस) भूस्थलीय संचार और नौरी वैड प्रत्यक्ष मुद्रण प्रणाली द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संकट की आवृत्तियों (डिजिटल सलेक्टिव कॉलिंग) पर नजर रखेंगे । संकट की सूचना मिलते ही, तटीय रेडियो केन्द्र को संकट सूचना की कार्य आवृत्ति और इस संदेश को खोज एवं बचाव प्राधिकारियों (एम आर सी सी) को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजें । सूचना और अन्य आवश्यकता को रिले करने के लिए बचाव प्राधिकारियों के साथ समन्वय के लिए तटीय रेडियो समुद्र में जो जलयान है उसको चेतावनी देने हेतु संकट संदेश सेटकाम (आई एम ए आर एस ए टी) के माध्यम से रिले किया जाएगा ।

135. विशेष विनियम :- भारत सरकार और अंदमान और निकोबार प्रशासन की अनुज्ञा के बिना किसी भी विदेशी जलयान को अंदमान और निकोबार द्वीपों को प्रादेशिक जल में प्रवेश करने अनुज्ञा के लिए नहीं किया जाएगा । ऐसे जलयान के दिखने पर पत्तन नियंत्रण टावर या तटीय रेडियो केन्द्रों को पूर्ण विवरणों के साथ सारी सूचनाएं प्राप्त कर विदेशी जलयान रिपोर्टिंग प्रणाली द्वारा उच्च प्राधिकारी को सूचित करना होगा । क्रीडा नौका/अंतर्द्वीपीय पत्तनों में विहार करने वाली यांत्रिक जलयानों को 0030 यू.टी. सी. और 1230 यू.टी.सी. पर तटीय रेडियो केन्द्रों में सूचना देनी होगी और ऐसी सूचना प्राप्त होते तटीय रेडियो केन्द्रों को फोर्टन कमांडिंग, सी.आई.डी., आई.जी.पी., आई.बी. तथा सचिव(ग्रह) को विदेशी जलयान रिपोर्टिंग प्रणाली द्वारा सूचित करना होगा

136. स्थानीय संकेत :-
- (क) संकेतों की अंतर्राष्ट्रीय संहिता का उपयोग करते हुए सभी जलयानों को संकेत दिए जाएंगे और इसकी अभिप्राप्ति सूचना संकेतों को झंडे के सिरे पर फहराकर दी जाएगी ।
 - (ख) पत्तन नियंत्रण टावरों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए तारों, झंडों, जलयान सिग्नल उपकरण, अत्याधिक उच्च आवृत्ति/उच्च आवृत्ति रेडियो टेलीफोन का उपयोग किया जा सकता है ।
 - (ग) सभी जलयानों को दिन में झंडा 'जेड' का प्रयोग करके और रात में थोड़े-थोड़े अंतराल पर 'जेड' का प्रकाश दिखाकर पत्तन नियंत्रण टावर पर बुलाया जाएगा ।
 - (घ) रात के सभी संकेत, प्रकाश की एक के बाद दूसरी खड़ी लाइने एक साथ दिखाकर दिए जाएंगे किन्तु दूरी एक मीटर से कम नहीं होनी चाहिए ।
 - (ङ) उनका अर्थ समझाते हुए स्थानीय संकेतों के व्योर (दिन में और रात में) अनुसूची 1 में दिए गए हैं ।
137. अनिश्चित मौसम :- अनिश्चित मौसम के दौरान, पत्तन नियंत्रण टावर तूफान संकेत केन्द्र की ओर मुड़ जाएंगे और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त निर्देशों के अनुसार तूफान का संकेत (दिन और रात में) दिखा देंगे । सूचना प्राप्त होने पर ड्यूटी पर तैनात प्रचालक चक्रवात की पट्टी दिखाने वाले चार्ट पर हवा के दबाव/चक्रवाती तूफान की स्थिति को बताएगा और अपने पर्यवेक्षकों समुद्र में तथा बन्दरगाहों पर ठहरे पोतों को इसकी सूचना देगा । ड्यूटी प्रचालक को घंटे के आधार पर हवा की गति/दिशा और मिलीबार पर वायुदाव मापक रिकार्ड रखेगा ।
138. संकेत :- प्रेषिती को पारेषित किए जाने वाले सभी संकेत संदेशों को संकेत प्ररूप में के अनुसूची में विहित दिया जाना चाहिए । सभी संकेतों को एक प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रारूपित और जारी करना चाहिए । तटीय रेडियो केन्द्रों और पत्तन नियंत्रण टावरों में प्राधिकृत अधिकारियों के नमूना हस्ताक्षर उपलब्ध करा दिया जाना चाहिए । पारेषण से पूर्व प्रभारी अधिकारी द्वारा सभी सरकारी संसूचनाओं, निजी संकेतों और वर्गीकृत मामलों को निपटा दिया जाएगा ।
139. निरसन और व्यावृत्ति :- अंदमान और निकोबार द्वीप (समुद्र गामी जलयान का पत्तन में प्रवेश) नियम 1972 को निरसित किया जाता है, ऐसे निरसन के होते हुए भी पूर्ववर्ती नियमों की अधीन की गई किसी बात याकी गई कोई कार्रवाई को इन नियमों के तत्संबंधी उपबंधों के अधीन की गई समझा जाएगा । उसे इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया गया या लिया गया मान लिया जाएगा ।

[फा० सं० पी आर-16013/2/94-पीजी]

आर० के० जैन, संयुक्त सचिव

अनुसूची - 1

(नियम 136 देखिए)

(क) पत्तन में या पत्तन सीमाओं में आने वाले जलयानों द्वारा दर्शाया/फहराए जाने वाला संकेत (सिग्नल)

संकेत (सिग्नल)		कहाँ फहराया गया	अर्थ
ध्वन	रात		
1	2	3	4
झंडा क्यू	लाल के ऊपर सफेद	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	हमारा जहाज ठीक है । मैं मुक्त संगरोध का निवेदन करता हूँ । मुझे मुक्त संगरोध प्राप्त नहीं हुआ है ।
झंडा क्यू क्यू		ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	हमारा पोत संदिग्ध है ।
झंडा क्यू.एल	लाल के ऊपर सफेद	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप से दिखे ।	मेरा पोत संदिग्ध है ।
लाल नीला झंडा		आधा नीचा किया हुआ	पत्तन सीमा में पोत पर मृत्यु ।
पायलेट जैक/गोल्फ	सफेद	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	पायलेट की आवश्यकता है ।
झंडा डी.क्यू	लाल के ऊपर लाल	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	पोत चल रहा है और तत्काल सहायता की आवश्यकता है ।
झंडा डी.वी.	सफेद के ऊपर लाल लाल के ऊपर सफेद	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट दिखे	तत्काल सहायता चाहिए ।
झंडा डी.जेड	सफेद के ऊपर लाल सफेद लाल के ऊपर सफेद	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	तत्काल सहायता की आवश्यकता है ।
झंडा ब्रावो	लाल	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	जलयान पर केरोसीन (मिट्टी का तेल) या पेट्रोल है ।

झंडा ब्रावो	लाल	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	जलयान पर विस्फोटक सामग्री है (टिप्पण: अपने प्रयोग के अलावा यदि कोई विस्फोटक सामग्री जहाज पर हो तो यह संकेत करे)
झंडा एस.टी.	लाल के ऊपर लाल सफेद के ऊपर लाल	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	पुलिस की आवश्यकता है ।
झंडा ए.एन.जी.	सफेद के ऊपर लाल	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	पृथक लंगरघाट
झंडा वाई.ए.	लाल के ऊपर सफेद	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	कर्ष नाव (टग) की आवश्यकता है ।
झंडा डब्ल्यू	सफेद पर सफेद	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	डाक्टर या चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है ।
झंडा एन	हरे पर हरा	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	बन्दरगाह में प्रवेश के लिए अनुमति का निवेदन ।
झंडा एफ	हरे के ऊपर सफेद	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	बन्दरगाह छोड़ने के लिए अनुमति का निवेदन
झंडा वाई.जे		ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखे ।	शुद्ध जल की आवश्यकता है ।

(ख) पत्तन नियंत्रण टॉवर के ध्वज दण्ड में फहराए/लगाए जाने वाले संकेत ।

संकेत		कहाँ फहराया गया	अर्थ
ध्वन	रात		
(क) अंदमान और निकोबार तूफान संकेत (सामान्य पद्धति)	ध्वजदण्ड	ध्वजदण्ड	भारतीय समुद्र वर्ती पत्तन के लिए तूफान संकेत संहिता में जैसा विवरण दिया गया है ।
(ख) दो गोलाकार आकृति	सफेद पर हरा	ध्वजदण्ड	जलमार्ग निर्बोध है और पत्तन छोड़ने की अनुमति स्वीकृत है
(ग) झंडा एन	हरा पर हरा	ध्वजदण्ड	अनुमति स्वीकृत/जलमार्ग निर्बोध है । आप बन्दरगाह में प्रवेश कर सकते हैं ।

अनुसूची - 2

प्ररूप 'क'

(नियम 21 देखिए)

पत्तन प्रबन्ध बोर्ड, अण्डमान तथा निकोबार द्वीप
न्यूनतम कर्मिदल का लाइसेंस

मैं उपाध्यक्ष, पत्तन प्रबन्ध बोर्ड, अंदमान और निकोबार द्वीप, अंदमान और निकोबार द्वीप पत्तन नियम, 2003 के नियम 21 के अधीन एस. एस./एम.बी. जिसका मास्टर है को नीचे विनिर्दिष्ट कर्मिदल जो बोर्ड पर है, सहित उक्त पत्तन में अपने वर्तमान लंगर स्थल/लंगरगाह/लंगरघाट पर रहने का लाइसेंस प्रदान करता हूँ :- परन्तु यह कि उक्त नियमों के नियम 22 के अधीन उसके प्रतिसंहरण पर या उसमें नीचे लिखी किसी शर्त को तोड़ने पर यह लाइसेंस आत्यंतिक रूप से समाप्त हो जाएगा और अवधारित कर लिया जाएगा ।

लाइसेंस की शर्तें :- जलयान में या पत्तन के भीतर ऐसे अन्य मूरिंग/लंगरस्थल/घाट में जो उसे बोर्ड द्वारा इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत अधिकारी द्वारा आबंटित की गई हो से तक की अवधि के लिए रहेगा।

..... न्यूनतम कर्मिदल में

.....

लाइसेंस प्राधिकारी के हस्ताक्षर

तारीख

पदनाम

स्थान

मुख्य पत्तन प्रशासक

पोर्ट ब्लेयर

अनुसूची - 3

प्ररूप 'ख'

(नियम 22 देखिए)

पत्तन प्रबंध बोर्ड, अंदमान और निकोबार द्वीप

लाइसेंस का प्रतिसंहरण

मैं मुख्य, पत्तन प्रशासक, अंदमान और निकोबार द्वीप एस.एस./एम.वी को लाइसेंस में विनिर्दिष्ट न्यूनतम जहाजकर्मी दल सहित उक्त पत्तन में रुकने के लिए प्ररूप क में जारी लाइसेंस का प्रतिसंहरण करता हूँ ।

लाइसेंस प्राधिकारी के हस्ताक्षर

तारीख

पदनाम : मुख्य, पत्तन प्रशासक

स्थान : पोर्ट ब्लेयर ।

अनुसूची - 4

प्ररूप 'ग'

पत्तन प्रबन्ध बोर्ड, अंदमान और निकोबार द्वीप
कर्मियोदल के बिना पड़े रहने के लिए लाइसेंस

मैं उप-पत्तन संरक्षक, पोर्ट ब्लेयर, अंदमान
और निकोबार पत्तन नियम, 2003 के नियम 23 के अधीन एस.एस/एम.वी
..... जिसका मास्टर है को निम्नलिखित खाड़ी, नदी,
लंगरगाह, घाट या डॉक (नौका घाट) में का उक्त नियमों के नियम
20 के उपबन्धों से छूट संबंधी लाइसेंस जारी करता हूँ परन्तु कि इस अवधि के दौरान वह
जहाज उक्त खाड़ी, नदी, लंगरगाह, घाट या डॉक (नौका घाट) में ही रहेगा ।

लाइसेंस प्राधिकारी के हस्ताक्षर

तारीख

पदनाम : पत्तन संरक्षक

स्थान : पोर्ट ब्लेयर ।

अनुसूची - 5

प्ररूप 'घ'

(नियम 67 देखिए)

पत्तन प्रबंध बोर्ड, अंदमान और निकोबार द्वीप

रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

स्वामी का नाम तथा पता

अधिकर्ता का नाम तथा पता

.....

.....

फ्लौट/बोट का विवरण

लाइसेंस के प्रकार,

विद्यमान या अपेक्षित,

स्थोरा या यात्री

उपरोक्त वर्णित फ्लौट/बोट के अधोहस्ताक्षरी स्वामी/अधिकर्ता यह निवेदन करता है कि जलयान को अंदमान और निकोबार पत्तन नियम, 2003 के नियम 66 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किया जाए ।

स्वामी/अधिकर्ता के हस्ताक्षर

आवास स्थान

सेवा में

उप पत्तन संरक्षक

पोर्ट ब्लेयर

अनुसूची - 6

प्ररूप - 5

(नियम 69 देखिए)

पत्तन प्रबंध बोर्ड, अंदमान और निकोबार द्वीप
प्रत्येक फ्लौट/बोट के लाइसेंस के लिए आवेदन

ब्रान्ड सं.	बोट का विवरण और श्रेणी	टनभार	नाविक कर्मिंदल की संख्या	सरंग का नाम, आयु, लम्बाई

यात्रियों की संख्या

उपर्युक्त वर्णित फ्लौट/बोट के अधोहस्ताक्षरी स्वामी/अधिकर्ता यह निवेदन करता है कि उसका फ्लौट/बोट को फ्लौट/बोट के रूप में चलाने के लिए अंदमान और निकोबार द्वीप, पत्तन नियम, 2003 के नियम 67 के अनुसार लाइसेंस दिया जाए ।

तारीख

स्वामी/अधिकर्ता के हस्ताक्षर
आवास स्थान

सेवा में

उप पत्तन संरक्षक

पोर्ट ब्लेयर

प्रतिलिपि :-

1. बन्दरगाह मास्टर, पत्तन प्रबन्ध बोर्ड, पोर्ट ब्लेयर ।
2. प्रभारी, सर्वेक्षक, एम.एम.डी. पोर्ट ब्लेयर ।

अनुसूची -7
(नियम 138 देखिए)
पत्तन प्रबंध बोर्ड
अंदमान और निकोबार द्वीप

संकेत प्ररूप

[illegible]

प्रचालकों के प्रयोग के लिए	आवृत्ति	प्रेषण	प्रारूपकार का नाम	
तारीख/समय			हस्ताक्षर	

प्रणाली			जारी करने वाले अधिकारी के नाम	
हस्ताक्षर			हस्ताक्षर	
हस्ताक्षर			अंदर	बाहर (मोहर)

MINISTRY OF SHIPPING**(PORTS WING)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 13th August, 2003

G.S.R. 655(E).— The following draft rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of Government of India in the then Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing), No.GSR 950 dated 14th July, 1972, is hereby published as required by sub-section (2) of Section 6 of the said Act for information of all concerned likely to be affected thereby.

Notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of 45 days from the publication of this notification. Any objection or suggestion which may be received from any person/authority with respect to the said draft rules before the expiry of the said period will be considered by the Central Government. Objections or suggestions may be addressed to the Secretary, Ministry of Shipping, New Delhi:-

RULES**CHAPTER-1****GENERAL**

1. Short title and commencement – (1) These rules may be called the Andaman and Nicobar Islands Port Rules, 2003.

(2).They shall come into force on the date of their publication in official Gazette.

2. Definitions –(1) In these rules, unless the context otherwise requires-

- (i) "Bulk oil vessel means a petroleum vessel with petroleum in bulk;
- (ii) "Case oil vessel" means a petroleum vessel with petroleum in cases like casks, drums or other receptacles;
- (iii) "Chairman" means the Chairman of the Port Management Board; appointed by the Central Government.
- (iv) "Conservator" means an officer or body of the persons appointed to be conservator by the Central Government as per section 7 of Indian Ports Act, 1908;
- (v) "Dark" means half an hours after sunset;

- (vi) "Day Break" means half an hour before sunrise;
- (vii) "Deputy Conservator" means the officer to whom powers have been delegated to function on behalf of the Conservator of Ports of Andaman and Nicobar Islands and includes any other officer acting under his authority to exercise or perform the functions, under the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908);
- (viii) "Discharged vessel" means a petroleum vessel which has completed the discharge of its petroleum;
- (ix) "Dock" includes all land, jetties, roads, quays, berths, sheds, warehouses, and other works and things appertaining to any dock and also the portion of the sea included of protected by the arms or grayness of a harbour;
- (x) "Dry Docks" means the two Dry Docks in Phoenix Bay Complex or any other dry docks that may be constructed by the Port Authority subsequently constructed for this purpose;
- (xi) "Excluded petroleum" means petroleum having its flash point not below 93 degree centigrade (or 200 degree Fahrenheit), to which these rules do not apply;
- (xii) "Flash-point" in relation to any petroleum, means the lowest temperature at which it yields a vapour which will give momentary flash when ignited, and determined in accordance with the provisions of the petroleum Act, 1934 (30 of 1934) and the rules made thereunder;
- (xiii) "Gas free certificate" means a certificate granted by an officer appointed by the Central Government, in this behalf to the effect that a vessel has been thoroughly cleaned and freed from petroleum and inflammable vapour;
- (xiv) "Inland vessel" means any vessel which is subject to provision of the Inland vessels Act, 1917 (1 of 1917);
- (xv) "Petroleum" and classification thereof will have the meaning as per the Petroleum Act or rules made thereunder;
- (xvi) "Petroleum in bulk" means petroleum contained in a receptacle exceeding 1000 liters in capacity;
- (xvii) "Petroleum vessel" means any vessel carrying more than 50000 liters or 5 metric tones of petroleum class "A" or 500000 liters or 50 metric tones of petroleum class "B" or any other substance having the same flash points as that of petroleum class "A" or class "B";

- (xviii) "Ports of Andaman and Nicobar" means and includes the Ports of East Island, Diglipur, Mayabunder, Havelock, Neil Island, Elphinstone Harbour and Rangat, Port Blair, Cinque and South Cinque Islands macpherson straits (Jolly Buoys), Hut Bay, Dugong Creek, Carincobar (Malacca and Mus), Kondul Island, Chowra, Teressa, Tillangchang (Castle-Bay), Katchal (East Bay), Kamorta, Nancowry, Campbell Bay and South Bay, including any part of river channel in Andaman & Nicobar islands and such ports as the Central Government may declare by a notification in the official gazette.

(2) The words and phrases used and not defined in these rules but defined in the Indian Ports Act, 1908 will have the same meaning as in that Act.

3. **Application** (1) These rules shall apply to the Ports of Andaman and Nicobar (hereinafter referred to as the "port").

(2) The provisions of these rules relating to sea going vessels shall also apply to sea planes; Catamarans, hovercrafts and Hydrofoils Sailing - Yachts, but where, as a result of their special construction, it is not possible for them to comply fully with the provisions of specifying of the carrying of lights and shapes the fact is to be reported to the conservator.

CHAPTER-II SEA-GOING VESSELS (Including inter- island vessels)

4. **Entry/ Departure restrictions:-** No vessel shall enter or leave the port between sunset and sunrise without special authority of the Deputy Conservator of the port.
5. **Occupation of berths:-** All vessel with in the port shall take up such berths as may be assigned to them by the Deputy Conservator of the ports and shall change their berths or shift thereafter when so required by him.
6. **Berth allocation :-** Vessel shall be allotted berths by the Deputy Conservator of Ports or Harbour Master subject to Nautical requirements being satisfied .
7. **Restriction on movement:-** Every sea going vessel shall, as and when ordered by the Deputy Conservator of Ports or Harbour Master, as the case may be , move to or from any berth , mooring or anchorage in the port, proceed up or down except under the direction of an officer of the port Pilot Service.
8. **Prevention of collisions at sea:-** Every vessel under the charge of a Pilot while navigating in the channel shall be governed by International Rules for preventing collisions at sea, as modified or supplemented by the local rules prescribed by the Government of India for navigation in the channel.

9. **Movement without Pilot or other authorized officer:-**(i) No sea going vessel over 200 Tons shall move into or out of, or within Port, or to or from a jetty/berth/mooring/anchorage, without having a Pilot, or a duly authorised officer on board, unless a dispensation for the same is given under the provision of section 31 of the Indian Port Act, 1908.
(ii) The Master or the owner shall obey every lawful direction or, and act in full cooperation with all duly authorised officers of the port for the purpose of mooring or unmooring, moving or removing a sea going vessel or of regulating its position or of adjusting its equipment and gear, for the loading or discharging of its cargo, for her safety or similar other purposes.
10. **Application for Pilot:-** All applications for sea-going vessels to be hauled into or castoff from, moorings or any other assistance shall be made either personally or by letter, to the Deputy Conservator of Ports or Harbour Master.
11. **Furnishing of particulars of Vessel :-** Before a sea- going vessel is brought into the Docks or placed alongside the jetties, the Master or owner or agents shall furnish to the Harbour Master or Manager (Port Signal and Operations) or other duly authorised Officer of the Port full particulars of the vessel's dimensions, draught, tonnage and special features of equipment or construction any other information as required in the prescribed form.
12. **Use of tug:-** Every sea-going vessel wishing to move within the port shall employ such tugs for the purpose as are, in opinion of the Harbour Master, or Pilot- in-charge necessary for its safety.
13. **Power of Vessels:-** The Master of every sea-going vessel entering or leaving any mooring or any dock or jetty berth under its own power shall be responsible, for maintenance of sufficient power to work its engines at full speed, ahead or astern as may be required.
14. **Use of Moorings:-** No sea -going vessel shall attach to or use any mooring (fixed or Swinging) without the permission of the Deputy Conservator of Ports or the Harbour Master.
15. **Anchors at Bow:-** Every sea-going vessel under way, or lying in the stream or at a mooring shall at all times have atleast one anchor at the bow with a cable bent ready for letting go at short notice.
16. **Mooring of Vessels:-** No person shall moor any sea-going vessel in any manner other than that prescribed by the Deputy Conservator of Ports, or Harbour Master or alter without the permission of the Deputy Conservator of Ports or Harbour Master, the mooring of any sea-going vessel save for the purpose of easing undue strain or of taking up undue slack, as may be necessary for the vessel's safety and to fasten additional hawser during inclement weather.

17. **Trials of engines:-** No propellers of a sea-going vessel occupying moorings in docks or in the stream or lying at a dock berth shall turn without giving sufficient warning to all boats in the vicinity and unless a Pilot or Assistant Harbour Master is on board during engine trials, propellers shall only be turned at dead slow for a very short periods, in each direction and no trial over the power of dead slow for a very short period shall be made except under the direction of a Pilot or Assistant Harbour Master.
18. **Dismantling of engines:-** No sea -going vessel shall, without permission of the Deputy Conservator of Ports or Harbour Master, dismantle its engines or otherwise render itself incapable of movement.
19. **Storm Signals:-** When storm signal No .VIII, IX or X are hoisted on the flagstaff at the Port Control Towers, the Masters of all sea-going vessels shall immediately take every precaution to make their vessels snug and secure and in particular shall keep a second anchor ready for letting go and such other precautions to ensure safety of the vessel, life and property.
20. **Crews for vessels:-** Subject to the provisions of rules 21, 22, 23, 24 and 25, all sea going vessel in the Port shall have on board a sufficient number of crew to perform any duties which may become necessary for the safety or movement of the vessel in an emergency.
21. **Licence of minimum crew:-** Whenever any sea-going vessel is laid up in any berth or mooring specially allotted to it for that purpose, it shall be lawful for the Port Authority by the hand of the Chief Port Administrator to grant for a stated period a licence, in Form A of the schedule authorising the vessel to remain at her berth or mooring with the minimum crew specified in that licence.
22. **Revocation of the licence:-** It shall be lawful for the Port Management Board by the hand of the Chief Port Administrator in Form B of the schedule to revoke the aforesaid licence in Form A, and on after the publication of such revocation, which shall be affected by pasting a copy thereof upon some conspicuous part of such vessel the provisions of rule 20 shall apply to the vessel as if no licence had ever been granted.
23. **Licence to lie without crew:-** Whenever it will appear to the Chief Port Administrator that any creek, bay or dock is so situated that sea-going vessels without any crew there in may remain afloat in such creek, bay or dock without danger to any vessel in any part of the Port, it shall be lawful for the Deputy Conservator of Port in Form C of the schedule to issue a licence exempting any such vessel from the Provisions of Rule 20 and if he thinks fit to revoke, or from time to time amend the aforesaid licence.

24. **Smoking:-** No person shall smoke or use naked lights of any description in a hold or between decks of a sea-going vessel or in any enclosed space in such vessels containing stores, cargo or inflammable material.
25. **Lights:-** No sea-going vessel shall without the permission of the Deputy Conservator of Ports use any lights other than electric lights, provided this rules shall not apply to emergency navigation or riding lights.
26. **Fires:-** Lighting of fires on sea-going vessels shall be permitted only in galleys or properly constructed fire places.
27. **Fire Works:-** Loading/ discharging of explosives including fire crackers is to be carried out at designated berth/ anchorage. Transfer of explosives from one vessel to another vessel inside port limits is prohibited .
28. **Measures during Fire:-** When a fire breaks out in any vessel, the Master of all sea-going vessels in any neighbouring berths or mooring shall furl their awnings, get their fire pumps and hoses ready for use and prepare to slip their cables or hawsers and take such other measures necessary to reduce damage due to fire.
29. **Projections from vessels:-** All sea-going vessels proceeding to or from the wharves or jetties shall turn in all boats, and remove all projections likely to collide with any wall , pier or jetty or quay equipment.
30. **Double banking:-** All sea-going vessels berthed in the docks either alongside the quay or at the buoys must be prepared to receive other vessels alongside them at short notice . The vessel stationary in the berth shall provide all the facility to the vessel approaching to be berthed alongside in the interest of safety of both the vessels.
31. **Discharge of Noxious wastes /filth/rubbish**

No person shall-
 - (a) wilfully discharge into the creek, channel or any dock, any petroleum or other inflammable liquid.
 - (b) wilfully throw any liquid or a noxious character or any filth or any rubbish into the water of any dock.

32. Protection of Environment:-

(a) No person shall-

- (i) lay or place any ballast/ rubbish/cargo/articles/substance on any quay/pier/jetty/vessel in such a position that the same or any part of the same will be likely to fall into water, if such ballast/ rubbish/cargo goods/articles/substance is likely to be detrimental to environment or cause damage to shipping after falling into water.
- (ii) Cast/throw/permit or suffer any ballast/rubbish/cargo goods/ articles as referred in Sub-Rule (i) of this rule to fall into the docks or water from any pier, quay, jetty or vessel.

(b) The Master of any vessel from which any such cargo/goods/articles/substance/ thing as aforesaid have been cast or thrown or have fallen in the docks or in the water shall forthwith report full particulars of the occurrence to the Dock Master or the Harbour Master as the case may be.

33. **Prohibition of private signals:-** No signals excepting those authorised by the International Code of Signals shall be hoisted by a sea-going vessel without the authority of the Conservator, Harbour Master or Pilot-in-charge.

34. **Signal lights.-** Every sea-going vessel shall between dusk and dawn and during poor visibility exhibit the lights required by the International Regulations for Prevention of Collisions at sea. No other signal lights shall be exhibited except under direction of the Harbour Master or Pilot-in-charge.

35. **Sounding of whistles:-** No sea-going vessel shall sound her whistle or siren except in accordance with the International Rules for preventing collision at sea, provided that no sea-going vessel shall continuously sound a whistle or siren.

36. **Blue Peter:-** Every sea-going vessel about to leave the port shall hoist the Blue Peter at the fore at 6 a.m. on the day prior to that on which she breaks moorings and shall keep it hoisted until the Pilot-in-charge assumes charge to take it to sea, provided that this rule shall not apply in time of war.

37. **International Code Flag 'A' :-** Every sea-going vessel entering mooring or proceeding to jetty shall hoist International Code Flag 'A' on the triatic stay and shall keep it hoisted until the Pilot-in-charge when he considers it safe for inland vessels and small craft to come alongside, orders it to be lowered.

38. **Use of search lights:-** The use of search lights by any sea-going vessel within the Port is prohibited except under the direction of Pilot or the Harbour Master.
39. **Display of lights while towing/pushing:-** Every sea-going vessel being towed/pushed shall display lights/shapes as prescribed for such vessels by the International Rules for Preventing Collision at sea as may be in force/amended from time to time.
40. **Lights of the sea-going vessel not to interfere with the lights of the Tug:-** Every sea-going vessel in the port in tow of tugs lashed alongside shall put off all lights which interfere with the visibility of the lights exhibited by the tugs.
41. **Towing lights :-** Every sea-going vessel in port-
- (a) shall when in tow astern, carry the lights required by Rule 5 of the International Rules for Preventing Collision at Sea.
 - (b) shall when in tow of vessels lashed alongside both sides carry only the lights required by Rule 3 of the said Regulations
 - (c) shall when in tow only one vessel lashed alongside carry the white lights required by the aforesaid Rule and in addition a side light on the side, away from the towing vessel.
 - (d) shall when in tow astern of a vessel and with tugs lashed alongside carry the white lights required by the aforesaid Rules.
42. **A sea-going vessel towing another sea-going vessel in the port shall:-**
- (a) when towing ahead exhibit lights prescribed by Rule 3 of the International Rules for preventing Collision at sea.
 - (b) when towing alongside exhibit side lights only on the side, away from the tow.
43. **Towing lights for Tugs:-** The additional white light mentioned in sub rule (b) of Rule 42 shall not be carried by a sea-going vessel going in tow in the port with tug/tugs alongside .
44. **Lights for vessels aground and anchored vessels:-** Every sea-going vessel aground in the port or in the navigable channel-
- (a) shall exhibit the lights/shapes in the accordance with the International Rules for Preventing Collision at sea , as may be imposed/amended from time to time.
 - (b) shall, during the day, exhibit the black ball as prescribed in the International Rules for Preventing Collision at sea.

45. **Precautions against the accidents :-** The Master of every sea-going vessel shall take all necessary precautions by placing guards or otherwise to prevent injury to persons or damage to property through the discharge of stream oil or water from any part of his vessel.
46. **Securing beams and hatchway:-** When cargo is being loaded into or unloaded from a sea-going vessel through any of its hatchways, whether on deck or below, the longitudinal (fore and after) and athwart ship beams and hatchway covers of such hatchways shall be secured in such a manner as will effectively prevent them from falling into the hold or overboard.
47. **Safety of workmen :-** The Master of any sea-going vessel requiring work to be done in bilges, boilers or double bottoms shall take all precautions to ensure that working conditions in such places are made safe before any person is sent into them.
48. **Anchoring and mooring:-**
- (a) All vessels inside the harbour shall be anchored or moored in such a manner as may be directed by the Deputy Conservator of Ports.
 - (b) The anchors of all sea-going vessels must be buoyed.
49. **Bathing in Harbour:-** Bathing is strictly prohibited in the harbour on account of sharks, crocodiles, barracudas etc; which are likely to be present in side the harbour waters.
50. **Arrival notification of the vessels:-**
- (a) Atleast twelve hours before the expected arrival of the vessel, its agents shall send a Notification to the Deputy Conservator of the ports.
 - (b) Detailed particulars of cargo to be landed at the port hatch-wise should either accompany the vessel's arrival notification or soon after the actual arrival of the vessel in the port.
51. **Permission for carrying out the repairs and issue of licence for hot work and ship repairers or Master/owner of the vessels intending to carryout repairs shall observe the following:**
- (a) Vessels are not to be immobilised without obtaining permission from the Deputy Conservator of Ports/ Harbour Master
 - (b) Vessel may be shifted from the working berth to repair berth when it is required for other purposes.

- (c) Repairs involving naked lights, gas cutting, welding within the vicinity of the fuel/oil storage tanks or fuel system involving the entry of a person into any fuel/oil storage tank may not be commenced unless, the gas free certificate from the appropriate authority has been obtained, and
 - (d) Licence for hot work and ship repairers in the port/dockyards shall be issued by the Deputy Conservator of Ports, under rule (51).
52. **Navigation inside Harbour limits :-** Small ships, boats and other harbour crafts operating inside the harbour limit should navigate with caution in the chatham jetty area and hood point anchorage due to submerged logs likely to exist and further, boats should not go beyond the navigation marks provided at blair reef beacon, perseverance point beacon, Bombooflat beacon, Ranger flat beacon and Malta Bay beacon.

CHAPTER-III.

INLAND VESSELS.

53. **Comprehensive Rules:-** The provisions of rules 14, 15, 24, 25, 26, 27, 42, and 43 shall apply in relation to inland vessels as they apply in relation to sea-going vessels.
54. **Navigable channel :-** Every inland vessels shall navigate so as to keep free the navigable channel required by sea-going vessels moving within the port.
55. **Regulation of berths and mooring:-** Every inland vessel shall take up, or move to or from, any berth, mooring or place when directed to do so by the Port Control Tower.
56. **Anchoring :-** No inland vessel shall anchor in such a position or in such a manner, as to offer obstruction to any navigable channel within the port.
57. **Restriction on movement:-** No inland vessel shall proceed alongside any sea-going vessel for any purpose while International Code Flag 'A' is flying on the triatic stay of the later.
58. **Free passages:-** Every inland vessel, at anchor or under way, shall at all times afford free passage of sufficient width to piers, jetties, landing places, wharves, quays, docks, floating docks and moorings .
59. **Storm signals:-** When a storm signal is hoisted on the flag staff at Port Control Towers, the Masters of all the inland vessels shall immediately take every precaution to make their vessels secured .

60. **Crew for vessels:-** Every inland vessel shall have on board a sufficient number of crew to perform any duties which may become necessary for safety or movement in any emergency.
61. **Prescribed lights:-** Every Inland steam vessel shall exhibit the lights prescribed in the rules made under the inland vessels Act, 1917(1 of 1917).
62. **Search lights:-** Inland vessels are permitted to use search lights for Navigational purposes, provided that no search lights shall, in any circumstances, be directed so as to interfere with the navigation of any vessel underway.
63. **Fire appliances:-** Every Inland Steam vessel shall carry the fire appliances prescribed in the rules made under the Inland Vessels Act, 1917 (1 of 1917).
64. **Communication:-** Every Inland vessel while navigating within the tidal water shall maintain radio communication with the Port Control Towers either on VHF or HF as per schedule.

CHAPTER—IV

HARBOUR CRAFTS

65. **Comprehensive rule:-** The provisions of rule 14, 15, 16 and shall apply in relation to harbour crafts as they apply in relation to sea-going vessels and the provisions of rules 54, 55, 56, 57, 58 and 64 as they apply in relation to Inland vessels.
66. **Harbour Craft Survey, Measurement, Registration and Licencing:** No Harbour craft shall ply whether regularly or occasionally, whether partly within and partly without, in the port limit unless it has been registered and licenced by the " Dy. Conservator of Ports, A & N Islands Port Blair" The owner of the every Harbour Craft in respect of which an application for registry under rule 67 is made shall cause such harbour craft to be surveyed by a IRS Surveyor and the tonnage of craft ascertained in the prescribed manner. The Surveyor shall grant a certificate specifying the harbour craft tonnage and build and such other particulars descriptive of the identity of the craft as may be prescribed and the certificate of the surveyor shall be delivered to the registrar before registry.
67. **Application for Registration:-** Every application for the registration of a harbour craft shall be made in writing to the Deputy Conservator of Ports, Port Blair in Form "D" of the schedule with an affidavit and photo certificate furnishing the following particulars:
 - (a) Owner's name and address, or name and address of his duly authorised agent in Port Blair.

- (b) discription of the boat/float and
 - (c) nature of cargo or passenger, held or required.
68. **Cancellation of the Registration:-** The registered number of a boat/float shall remain in force as an identification number throughout the whole working life of the boat/float unless—
- (a) the boat/ float remained unlicenced for a period of three years.
 - (b) the boat/float is condemned by the Boat Surveyor as unfit for further service,
 - (c) the number branded on the float/boat becomes obliterated and cannot otherwise be traced and
 - (d) the dimensions of the float/boat are altered
69. **Application for licence:-** Every application for a licence for a float/boat/dump barge shall be made in writing to the Deputy Conservator of Ports A&N Islands in Form 'E' of the schedule and shall contain the following particulars:-
- (a) Owner's name and address, or
 - (b) name and address of his duly authorised Agent in Port Blair
 - (c) A descriptions of the float/boat,
 - (d) the registered number branded on the float/boat by the Deputy Conservator of Ports, Andaman or the registered number marked according to the provisions of the Registration, and
 - (e) the name of the Serang in charge of the float/boat.
70. **Serang's Certificate of Competancy:-** No flāt/boat shall be allowed to ply with in the limits of the Ports of Andaman and Nicobar unless it is in charge of a serang in possession of competency certificate issued in accordance with A&N Islands Inland vessels (Certificate of competency)Rule 1972.
71. **Unlicenced Harbour Craft:-** Every Harbour Craft arriving in the declared Port of Andaman and Nicobar Islands without a licence and wishing to discharhe cargo shall at once apply for a unloading permit with the Deputy Conservator of Ports . Any Harbour craft discharging cargo under this rules shall, within 15 days of thye date of entering the port, should apply to the Registering Authority of such vessels for survey and licence.

72. **Cargo Boat crew :-** Every float or cargo boat plying in the port shall carry an approved life-buoy or a suitable approved substitute with a suitable life line attached to it of size not less than 1 inch in circumference and 10 fathoms in length.
73. **Passenger boat crew:-** Every passenger boat plying in the port shall, carry not less than two approved life-buoys or suitable approved substitutes with suitable lifelines attached to them of less than 1 inch in circumference and 10 fathoms in length, and if it is licenced to carry more than 40 passengers, one additional approved life-buoy or a suitable approved substitute with a suitable life line attached to it for every additional twenty passengers or part thereof .
74. **Load line:-** Every float/boat exceeding the registered measurement of 28 cu.mts shall have its load line, which shall at no time be submerged, indicated by a conspicuous mark cut into the hull and printed white on dark background. This mark shall be made by the IRS surveyor at the time of survey.
75. **Exhibition of passenger plate:-** Every boat licenced to carry passengers shall exhibit a passenger plate on which shall be shown in English and in Hindi the registered number of the boat, licence number, the number of passengers she is authorised to carry, the number of its crew and the expiry date of its licence.
76. **Inspection of licence:-** Every serang-in charge of a float or boat plying in the port shall carry his own licence and the licence of his float/boat, each of which shall be produced whenever it is required by the Harbour Master/ Asst Harbour Master/staff duly authorised by the Board .The licence of a passenger boat shall also be produced for inspection at request of any passenger.
77. **Seizure of licence of float/boat:-** In case of breach of this rule or any of the conditions of the licence by the owner or Agent or Serang of the Boat/float, the float/boat may be seized by the Harbour Master/ Asst Harbour Master or any officer/staff so authorised by the Board and keep in the police custody till finalisation of the dispute. The boats/floats found plying without licences or with serang with expired certificate of competency may be seized by the police.
78. **Duration of licence:-** Every licence granted under these rules shall usually continue to be in force for one year from the date on which it is granted, unless revoked .The licence may also be granted to a boat/float for a period of less than a year, if considered necessary. Duplicate licence may also be issued in lieu of loss or defaced licence. Every expired or revoked licence shall be surrendered to the Deputy Conservator of Ports without delay.

79. **Carriage of passenger:-** No person in-charge of licenced passenger boat plying for hire in the port shall, without good reason, refuse to carry in such boat a passenger tendering the proper hire.
80. **Harbour crafts to be under control:-** All harbour crafts underway within the port limit shall themselves have sufficient power so that they are able to keep free the Navigational channel/water way required by the sea-going vessels for entering/departure.
81. **Clearance area for sea-going vessels:-** The Navigational channels of the port of Andaman and Nicobar Islands shall at all times be kept clear for the maneuvering of sea-going vessels .
82. **Restriction of harbour crafts going alongside sea-going vessel:-** No harbour craft shall proceed alongside any sea-going vessels entering harbour or proceeding to berth or vice versa .
83. **Restriction on movement:-** No boat shall proceed alongside any sea-going vessel entering moorings or proceeding to a jetty berth, when during the day, International code flag 'A' is flying at the triatic stay of the vessel, or when at night, two lights are exhibited vertically, i.e. a red light over a white light six feet apart and visible all around the horizon.
84. **Inland vessels:-** No float/boat shall lie at or alongside the inland vessel, wharves for receiving, landing or shipment of goods out of, or into, any vessel, not being a sea -going vessel, except when such float/boat is so landing or shipping goods.
85. **Fishing boats:-** Fishing boats shall observe all the rules applicable for inland vessels and harbour craft. No fishing is permitted in the port limit and fishermen are not permitted to spread the slings/ nets across the port channels/ fairways.
86. **Wooden dinghies:-** Any wooden dinghy or wooden dinghy with dumb barge used for ferrying passengers and materials between vessels and shore in the docks must obtain plying permit from the Harbour Master on payment of prescribed fees, the validity of such plying permit must conform to the passenger licence/certificate issued by the Deputy Conservator of Ports.

87. Exhibition of lights:-

- (a) Every harbour craft whether at anchor or underway shall between sunset to sunrise exhibit at a height of atleast 1.83 meters above the deck a white light in a weather proof lantern so constructed as to give an uniform and unbroken light of sufficient power to be visible all around the horizon for distance of atleast one nautical mile.
- (b) Every harbour craft engaged in towing of dumb barges shall, if in tow alongside, Exhibit in a properly constructed lantern on the outer edge of the vessel and at a height of not less than 91 cms, above any construction on deck, a white light, clear, uniform and unbroken which shall be visible all around the horizon at a distance of atleast 2 NM, if in tow astern, exhibit a similar white light at the outer end at a height of not less than 1.83 meters above the deck .

88. Dumb Barge:- Every dumb barge, lighter or float in tow of a sea-going vessel in the port shall –

- (a) if in tow alongside at night exhibit in a properly constructed lantern on the outer edge of the vessel and at a height of not less than 91 cms, above any constructions on deck, a white light, clear, uniform and unbroken, which shall be visible all around the horizon at a distance of atleast 2 nautical miles .
- (b) if in tow astern, exhibit a similar white light aft and at a height of not less than 1.83 meters above the deck.

89. Fire places:- No fire shall be lighted in a float/boat except in a properly constructed iron caboose or fire place which shall be kept on deck or in such other part of the float/boat as the surveyor may direct.**90. Loss of property:-** When property belonging to any passenger is left in a boat it shall at once be sent by the person – in-charge of the boat to the officer in-charge of the nearest police station.**91. Reporting of accidents:-** Whenever any accident occurs to a float/boat, agent or person in charge of such float/boat shall at once proceed to the nearest police station and report to the officer in charge, the circumstances connected with the accident .

92. Issue of certificate after accident:-

- (a) The owner, agent or person in charge of the float/boat shall, after complying with the provisions of rule 91 submit a report in writing to the nearest police station and the Deputy Conservator of Ports A&N Islands along with the licence of the float/boat stating the nature of the accident and the details of the repairs required to be carried out.
- (b) On receipt of the report, the Deputy Conservator of Ports shall cause the float/boat to be examined and specify in writing the repairs to be carried out.
- (c) After the repairs so specified under sub-rule (b) have been duly carried out, the float/boat shall be placed again before the Deputy Conservator of Ports A&N Islands Port Blair.
- (d) On being satisfied about the repairs, the Deputy Conservator of Ports A&N Islands shall issue a certificate in writing to that effect enclosing the licence of the boat/float referred to in sub-rule (a) on the basis of which alone the float/boat may be allowed to ply with in the Port Limit.

93. Owner or serang's responsibilities:- Without affecting his other responsibilities under these rules, the owner, serang or the person-in-charge of any float/boat shall, in particular, be responsible:-

- (a) that the boat is provided with the number of crew and life saving appliances required by these rules.
- (b) that the boat is kept thoroughly clean.
- (c) that the registered number is kept clearly painted on both the sides in the manner prescribed by these rules.
- (d) the valid licences are carried by both the boat and the serang.
- (e) that the gear, tackle and life saving appliances specified in the licence are provided and maintained in good working order.
- (f) that the load line is clearly marked and at no time be submerged.
- (g) that the boat, if carrying passengers does not contain any person in excess of the number for which it is licenced.
- (h) that the boat is kept at all times moving so as to keep a free navigable channel for sea-going vessels.

- (i) that the boat/float should under no circumstances interfere with ship's movement or create obstruction to ship's work in the port or dock.
 - (j) that the float/boat should not be kept unmanned in the port.
 - (k) that the boat/float should in no way be involved in activities like theft, smuggling, pilferage, etc.
94. **Berths for harbour crafts:-** All Harbour crafts will be berthed in the designated area of the ports by the Deputy Conservator of Ports. Boats will be charged as per rates applicable under vessel related charges.

CHAPTER—V

SHIP-BREAKING

95. **Application for ship breaking:-** An owner requiring to dismantle a vessel or break up a vessel for scrap, shall apply in writing to the Deputy Conservator of Ports, and shall produce for his inspection after **clearance** given by the Director General of Shipping, Indian customs, and the sales Tax authorities, as applicable and also such other documents as may be required by the Deputy Conservator of the Ports. On being satisfied with the production of required documents, as applicable, Deputy Conservator of Ports may allot a suitable berth undeveloped beach area for dismantling the vessel within the A&N Islands.
96. **Agreement relating to ship-breaking:-** The owner, when required shall enter into formal agreement on such terms and conditions as may be laid down by the Deputy Conservator of Ports, regard being had to the circumstances of the case and the degree of risk involved in dismantling breaking up or destroying the vessel concerned.
97. **Payment of charges:-** The owner shall immediately on demand pay all charges prescribed by the Board as and when demanded by the Deputy Conservator of Ports, in the shape of anchorage/Berth hire/Beaching charges, crane hire charges and any other charges as applicable before such services are rendered.
98. **Bank guarantee from a scheduled bank for ship-breaking:-** The owner shall also furnish, if asked to do so, a bank guarantee from a scheduled bank having its head office or branch office in Port Blair, as approved by the Board's Chief Accounts Officer in the form prescribed by the Deputy Conservator of Ports, undertaking to pay to the Board, in event of the vessel fully or partially sinking or becoming a wreck, the cost of salvage operation to be carried out by the Deputy Conservator of Ports, to ensure vessels and /or for keeping clear the navigational channels. In deciding the amount and other terms of such bank guarantee, the decision of the Deputy Conservator of Ports shall be final.

99. **Ship-breaking without due diligence:-** (I) In case the owner fails to carry out the breaking up or dismantling work with due diligence as required by the Deputy Conservator of Ports, the Board may, without prejudice to any of their rights, themselves or through other agencies break up or dismantle and/or sell and/or remove the portion so dismantled or break up of the vessel at the cost and expense of the owner.
- (II) The expression 'owner' includes his agents, representatives or agent of the vessels.
100. **Interpretation of rules:-** In case of any dispute as to the interpretation or working of these rules on ship breaking in this chapter, the same shall be referred to the Chairman for decision.

CHAPTER—VI

DAMAGE TO PORT PROPERTY

101. Masters and Owners of vessels shall be held liable for any damage whatsoever that shall have been caused by their vessels or servants to any of the Board and the works or property of the Board reserves the right to detain their vessels in dock until security has been given for the amount of the damage caused;

Provided that without prejudice to any rights of the Board, the Chairman or Deputy Conservator of Ports may allow the vessel or vessels to leave the port on sufficient security being furnished by the Owner/Master to cover the estimated cost of damage/loss.

CHAPTER—VII

VESSELS CARRYING PETROLEUM

102. **Regulation of petroleum vessels:-** No petroleum vessel shall proceed beyond the anchorage until it has been allotted a berth.
103. **Declaration by master of ships carrying petroleum or by the ship's agent:-**
- (a) The master of every vessel carrying petroleum or any other substance having flash point Below 65.5° C (150° F) shall deliver to the pilot before entering the port of A&N Islands a written declaration under his signature.

Provided that if in anticipation of ship's arrival the agent for such ships delivers to the Deputy Conservator of Ports a written declaration of aforesaid under his signature, no such declaration need be made by the master of the ship.

- (b) The agents shall furnish a list of all hazardous cargo with full particulars to the Deputy Conservator of Ports, the master shall be responsible for compliance with all rules, regulation and instructions issued by them, provided that when circumstances warrant, the Deputy Conservator of Ports, may relax the quantities that may be brought for discharge at jetties/wharves up to a maximum as follows—
- (i) dangerous petroleum or other substances having a flash point below 24.4°C (76°F) – 5 tonnes.
 - (ii) non-dangerous petroleum or other substance having a flash point below 65.5°C (150°F)- 1000 tonnes.
104. **Attendance of tugs:-** No petroleum vessel with non dangerous petroleum and no discharged vessel without a gas-free certificate for tanks shall be transported unless it has a tug in attendance .
105. **Discharge of petroleum in bulk and loading of petroleum or inflammable liquids in bulk:-** A. petroleum vessel shall discharge/load:
- (i) Petroleum class “ A” in bulk or inflammable liquids having flash point below 23°C (73°F) may be discharged/shipped directly into/from storage tanks of importers/exporters at oil berth.
 - (ii) Petroleum class “B” , class “C” or inflammable liquids having flash point of 23°C and above may be discharged/ shipped direct into/ from storage tanks of importers/exporters at oil berth.
106. **Discharge or loading case oil vessels:-**
- Every case oil vessel shall discharge or load its petroleum or inflammable liquids, at the petroleum depot, but no such vessel shall begin discharge or loading until the Deputy Conservator of Ports/Harbour Master is satisfied that:-
- (i) The Asstt Commissioner of customs has permitted its petroleum or, as the case may be, inflammable liquids to be landed or loaded.
 - (ii) Proper arrangements have been made for the disposal of leaky casks or drums or other receptacles.
 - (iii) The receptacles satisfy the requirements of petroleum Rules, 1976.

107. Discharge into lighters:-

- (i) No case oil vessel shall discharge under the foregoing rules, any petroleum in a lighter unless such lighter is capable of being cleared and unloaded into a storage shed between sunrise and sunset:

Provided that every such lighter shall be duly licenced for this purpose by the Registrar/surveyor of vessel:

Provided further no lighter loaded with petroleum shall be detained over night in the harbour unless specific permission in writing to that effect is first obtained from the Deputy Conservator of Ports.

- (ii) Provisions of this rule shall also apply in relation to all inflammable cargo with or without liquid hydrocarbon.

108. **Fire :-** No fire or naked light and no smoking shall be allowed on any boat carrying petroleum in cases drums or other receptacle .

109. **Inadequate facilities for discharge:-** If the Assistant Commissioner of Customs at any time declares that the accommodation for discharge of petroleum by any petroleum vessel is unsuitable, the Deputy Conservator of Ports may direct that the vessel be removed to anchorage within the port.

110. **Discharge or loading under own power:-** No petroleum vessel shall without the the permission in writing of the Deputy Conservator of Ports, discharge or load petroleum Class "A" or petroleum Class "B" in bulk with its own generated power .

111. **Petroleum or inflammable liquids in small quantity:-** A vessel, carrying otherwise than in bulk a quantity of petroleum Class "A" or inflammable liquids not exceeding 5 tones (5000 liters) or petroleum Class "B" inflammable liquids not exceeding 50 tones (50000 liters) may land it at the docks or jetties under the following conditions: -

- (i) that petroleum Class "A" is covered by an import licence granted under the Petroleum Rules, 1976.
- (ii) that each consignee who imports petroleum Class "A" in quantity exceeding 300 liters produces a certificate of storage accommodation in form II of the Petroleum Rules, 1976, signed by him or his agent.

Provided that quantities not exceeding 5 tones (5000 liters) petroleum Class "A" or quantities not exceeding 50 tones (50000 liters) of petroleum Class "B" may be discharged into lighters or boats with the previous approval of the Deputy Conservator of Ports. Provided further that petroleum Class "C" otherwise than in Bulk may be landed in any quantity at the docks or jetties or discharged over side into boats, or lighters.

112. **Cleaning :-** Every vessel discharging petroleum or other inflammable liquids shall unless it is proceeding direct to sea move without delay to the appointed moorings at which she shall, subject to any direction of the Harbour Master, remain until she is cleaned and freed from petroleum and inflammable vapour. Provided that the Harbour Master may, if he is satisfied that due precautions have been taken to prevent the discharge of oil, water or refuse on to a wharf or into a dock or stream, permit it to perform cleaning operations alongside the berth at which it has discharged.
113. **Precaution within docks:-**
- (i) Every vessel discharging petroleum class "B" shall carry at each end a 10cm wire pendant fitted at each end with an eye and the in-board end of the wire shall be placed on the nearest available bits and the outboard end shall hang within reach of water.
 - (ii) The length of each such pendant shall be 15 fathoms and the same shall be lightly strapped to the rails.
114. **Bunkering petroleum:-** No vessel shall bunker with petroleum from any boat or between sunset and sunrise and between sunrise and sunset bunkering of vessels with petroleum from any boat or barge will be permitted:-
- (a) at moorings in the stream,
 - (b) at the jetties,
 - (c) in the dry docks, if the Dock master/ Harbour master is satisfied that the flash point of the petroleum is not below 65.5° C or 150° F
115. **Precautions during bunkering:-** Every vessel loading petroleum for bunkers shall observe the following conditions:-
- (a) The Master or First Mate of the vessel shall be on board and shall be responsible for ensuring that bunkering rules are observed and that all reasonable precautions for safety are taken.

- (b) An officer of the vessel shall be on watch and an attendant shall be stationed at the flexible connecting pipe.
 - (c) No smoking, cooking naked lights or forges shall be allowed within 40 meters of the flexible and inlet pipes.
 - (d) A suitable gutter or other contrivance shall be placed under the connecting Pipes to prevent any petroleum dripping into the sea, wharves, jetties.
 - (e) An attendant shall always be on duty at the pump of the vessel supplying the fuel.
 - (f) Pollution of the harbour waters with petroleum products is strictly prohibited and the Agent/vessel will be held responsible.
116. **Craft not allowed alongside:-** No inland vessel or small craft shall approach within 30.48 meters of:
- (a) a petroleum vessel bunkering or discharging in bulk .
 - (b) a discharged vessel until all her openings are closed .
117. **Certification of boats and barges:-** No boat or barge shall transport petroleum in bulk within the port unless it has been licensed by the registering authority and also licensed by the appropriate authority in accordance with the Petroleum Rules, 1976 .
118. **Restriction on night works :-** No vessel shall load, discharge or transport Petroleum with in the port of A&N Islands between sunset and sunrise, provided that these rules shall not apply to bulk oil vessel discharging at oil berth in accordance with the provisions of the Petroleum Rules, 1976.
119. **Transshipment of heavy petroleum:-** Any vessel may, with the consent in writing of the Harbour Master, transship to any other vessel Petroleum Class "C" in bulk.
120. **Prohibited discharge of bilges in the water:-** Vessel wishing to do so are to ensure that their Agent provide sullage barges for the purpose Penalty, up to Rs 5 Lakhs will be charged in accordance with Section 21 of Indian Ports Act, 1908.
121. **Restriction on straw/wood:-** No fires or smoking or naked lights shall be permitted on any vessel carrying straw/wood products.

122. Gas free certificate for bulk oil vessels:-

- (i) No bulk oil vessel shall be taken amongst other ships unless the vessel is proceeding to an oil berth (or in the case of a vessel carrying fuel oil only, in to a dock) or a certificate is produced from the competent authority, to the effect that he has examined the tanks, cofferdams, pump rooms and such other parts as deemed necessary with the aid of vapour testing instruments and certified by him in writing that such tanks, cofferdams, pump rooms and other parts of the vessel are free from petroleum and vapour of petroleum and the vessel is in fit state to enter the dock.
- (ii) The Master of all bulk oil vessels proceeding to dry dock shall produce the certificate referred to in Sub rule(1).
- (iii) No repair to any part of fitting of a petroleum tanker shall be carried out in the dry dock, or in wet dock unless such part or fitting has been examined by the competent authority, and certified by him in writing to be free from petroleum vapour or petroleum.
- (iv) the competent authority, while granting a certificate referred to in this Rule shall specify thereon the period for which and the conditions under which such certificate shall remain valid.
- (v) Provided that bulk oil vessel which has not carried petroleum of flash point below 150° F since her last gas free certificate was granted and which is entering a dry dock for the purpose of hull painting and examination only, will be admitted in to dry dock on a certificate issued by the master of the vessel stating that the tanks have been properly cleaned out .If after entry in to the dry dock, it transpires that the vessel requires more intensive repairs, a gas free certificate shall be produced before such repairs can be undertaken.

123. Separate certificate for repairs to any compartments :- Every bulk oil vessel entering the port with a gas free certificate shall, before carrying repairs involving the use of naked lights in any compartment obtain a further certificate for that compartment.

124. Gas free Certificate necessary in certain cases:- Every vessel in the port which uses oil as fuel shall before carrying out any repairs in the bunkers obtain a gas free certificate from competent authority.

125. Officers on board :- During the time any petroleum vessel is in the port, the master and chief engineer officer shall be on board to carry out and give effect to the provisions of these rules.

126. During the time that petroleum vessel is loading or discharging or preparing to load or discharge petroleum, the Master and Chief Engineer shall be on board and shall see that every precaution is taken to ensure the safety of the vessel and its cargo and in particular that the boilers and machinery are maintained in working order so that the vessel may be moved without delay if so required by the Harbour Master.

CHAPTER—VIII

SIGNALS AND COMMUNICATION NET WORK

127. **Communication and nature of service:-**

Ports of Diglipur, Mayabunder, Rangat, Port Blair, Hut Bay, Car Nicobar, Nancowry and Campbell Bay are equipped with HFRT/VHFRT and all sea-going vessels can communicate with these ports. Vessels should restrict signal traffic to safety, ship movement services and port operations only.

128. **Procedure for signal transmission and reception: -**

- (a) Only Radio communications from ship to shore and shore to ship shall, (as per the provisions of the station licence) be accepted and public correspondence of any nature is excluded from this network.
- (b) Following are the salient features of the service-
 - (i) distress messages or replies thereto.
 - (ii) urgency messages or replies thereto.
 - (iii) safety messages or replies thereto.
 - (iv) port operation and ship movement services.
 - (v) obs/ weather services.
 - (vi) ship reporting system/information pertaining to position, course, speed etc.
 - (vii) Govt, communications.
- (c) Relay system :- The station in-charge shall relay the messages where necessary.
- (d) Dispatch of signals to addressees :- All agents/ ship owners or other addressees are to depute their messengers for collection of messages/ signals from the Port Control Towers and Port Communication Centre.

- (e) Assigned frequencies and schedules for the A&N Port Communication Network :-

Coastal Radio Stations and the Port Control Towers shall maintain watch on Day frequency from 0600 to 2000 hours and on night frequencies from 2000 to 0600 hours for HF/VHF Radio Telephones. Stations Posted two Operators shall maintain watch between 0500 to 2000 hours and station Posted with single Operator between 0830 to 1630 hrs.

- (f) Prohibition on HF Transmission :-

No HF Transmission is permitted within the port limits and vessels at anchorage should maintain/constant/continuous watch on VHF channel allotted for port operations and ship movement service .

- (g) Prohibition of Transmission:-

All vessels are forbidden to carry out unnecessary transmission of superfluous signals. Unauthorized transmission or reception of private nature is Prohibited.

- (h). Infringements/misuse:-

Signal language/ Marine vocabulary is to be used for Communication. No indecent/slang language is permitted on the circuits. Infringement of Radio Regulations/ conventions shall be reported to the appropriate Authority. Whenever language difficulties arises, International code of signal shall be used.

129. Maintenance of service documents:-

All stations shall maintain the service documents (ITU) for radio communication as required under Wireless Telegraphy Act 1885 (13 of 1885). These stations shall be periodically inspected by the Wireless Inspector of Ministry of Telecommunications. The station-in-charges are to ensure that licences are kept in prominent place in the Radio room of the Port Control Towers/Coastal Radio Stations.

130. Qualification of Port Control Towers/Coastal Radio Stations Operators: (Certificate of Competency):-

- (a) (i) Operator should possess Certificate of Competence issued under rule 130.
(ii) Authority issued to operate GMDSS (General Operators Certificate) under Wireless Telegraphy Act, 1885/IMO convention.

- (b) Syllabus for issuing Certificate of Competence under Rule 130 of (a) (i):-

Knowledge of International Code of Signals, Indian Ports Act, 1908, rules notified for Port Operations, knowledge of Maritime Buoyages systems "A", Rules of the Road, Radio regulations, local lights, code of storm signals for Indian Maritime Ports safety rules, knowledge for operation of tide gauges, Basic knowledge in Computer and other subjects decided by the faculty Board.

- (c) Following are the faculty members and Chief Examiner of Board for examining probationary operators under rule 130 (b) and for issuing certificate of competency under rule 130 (a) (i).

- | | |
|---|------------------|
| (i) Deputy Conservator of Ports
A&N Islands, Port Blair. | - Chief Examiner |
| (ii) Officer-in-charge
Communication Centre.
Fortress Head Quarters,
Port Blair. | - Faculty Member |
| (iii) Manager (Ports Signal and
Operations) Officer-in-charge
Port Control Towers/ Coastal
Radio Stations, Port Blair. | - Faculty Member |

131. Log books required to be maintained by the Port Control Tower:-

- (a) Official Log (Signal) :- Duty Signal Operator is to log all visual observation made on movement of vessels. The Log Book should contain following information:-
- (i) Sighting time of the vessel.
 - (ii) Direction and approach instruction given.
 - (iii) Berthing instruction given.
 - (iv) Vessel's position while passing various navigational points.
 - (v) Time of signal made to port as per Chapter VI of Indian Port Act, 1908 and Local Signals made to Port.
 - (vi) Pilot's boarding and disembarkation time.

- (vii) Port craft and Pilot Launches arrangement time for port operations.
 - (viii) Particulars on placement/ display of storm signals (day and night).
 - (ix) Vessel's anchor position and time of anchoring.
 - (x) Tide, sun rise and sunset particulars.
 - (xi) State of Navigational aids, Communication equipment and state of ships during sun rise and sun set in the harbour.
 - (xii) Berthing time and vessel state at the wharves/jetties indicating the bollard numbers.
 - (xiii) Observation made on rafting, movement of harbour craft, ferries and landing/taking off of sea planes.
 - (xiv) Particulars on identification of vessels passing/approaching the port.
 - (xv) All other observations made on safety of vessel including dragging of anchors and signals made/observed as shore-life-saving station.
 - (xvi) Vessel arrival draft (forward, mid ship and aft).
 - (xvii) Allocation of Port entry code.
 - (xviii) Details of Local Weather.
 - (xix) Details of Dangerous cargo on board.
- (b) **Shipping register:-** Shipping Register showing the particulars of vessels as per the Master arrival notification (viz, NRT, GRT, Arrival time, Master's Name Flag, Last Port of call, Port entry Number, Next Port of call, Port clearance number, cargo and passenger particulars) shall be maintained by the Port Control Towers.
- (c) **Register pertaining to Port Operations:-** For the purpose of realising the vessel related charges, voucher register shall be maintained showing the details of tug operations, piloting particulars (inward and out ward), berthing of vessels at various wharves/ jetties any supply of fresh water through shore hydrants/barges.

- (d) Data entry Pertaining to Vessel related services: - Data entry in respect of vessel related service is to be made in the Computer with appropriate Port entry code. After departure of vessel Bill has to be despatched to the ship owners/ agents. Original vouchers along with Computer bill to be forwarded to the chief Accounts Officer for realization of revenue.
- (e) Procedure for maintenance of Logs/Registers:-
- All entries of official Log, VHF/HF Logs, Registers are to be initialed by the duty Operator. The official in-charge of the station shall initial every day and the officer- in-charge on Monthly basis. The abstract of the shipping register should contain following information:
- (i) Total gross tonnage of vessels called Port.
 - (ii) Total net tonnage of vessels called Port.
 - (iii) Total shipping days in the berths.
 - (iv) Total number of Pilotage (inward and outward)
 - (iv) Total number of passengers embarked and disembarked.
 - (v) Total import and export cargo.
 - (vi) Total earning of vessel related service.
132. **Indian Merchant ship position Reporting system (INSPIRES):-** Port Communication Centre/ Coastal Radio stations shall receive name of Master, Position of vessel at sea (Latitude and Longitude), Course, Speed, Flag, Last Port of Call and Next Port of Call. After receiving the report, information is to be passed through Fax/Telex to Fortress Commander A&N for information National grid and Director General Shipping, Mumbai.
133. **NAVTEX :- COASTAL RADIO STATIONS** shall Broad cast weather DISTRESS, NAVAREA and Marine Safety information in MF frequencies at 0403 UTC and 1033 UTC.
134. **Global Maritime Distress Safety System(GMDSS):** Port Blair Coastal Radio (CRS) and Nancowry Coastal Radio (CRS) shall maintain watch on International Distress frequencies (Digital Selective Calling) on Terrestrial Communication (RT) and Narrow band direct printing system On receipt of distress Message, the Coastal Radio Stations should shift to distress traffic working frequencies for Distress Traffic and pass the Message to Search and Rescue Authorities (MRCC) for necessary action. Coastal Radio to Co-ordinate with Rescue Authorities for relay of information and other requirement. Distress messages are also to be relayed through SATCOM (IMAR SAT) for alerting the ships at sea.

135. **Special Regulations:** No Foreign vessel is permitted to enter territorial waters of Andaman and Nicobar Islands without obtaining permission from the Government of India and Andaman and Nicobar Administration. On sight of such vessels, the Port Control Towers or Coastal Radio Stations to ascertain all information and inform higher authorities with all particulars through foreign vessel Reporting System. Sailing Yachts/ Tourist vessels cruising Inter Island Ports are to report Coastal Radio Stations about their position at 0030 UTC and 1230 UTC and on receipt, the Coastal Radio Stations to pass the information to Fortan, COMCG, CID, IGP, IB and Secretary (Home) through foreign vessel reporting system.
136. **Local Signals :-**
- (a) All Signals shall be made vessels by using the International Code of Signals and shall be acknowledged by the code pendant being hoisted at the flag mast head.
 - (b) Morse, Flags, Flashlights, Semaphore, VHF/HF radio telephone may be used as means for communicating with the Port Control Towers.
 - (c) All vessels shall call Port Control Towers by using Flag 'Z' by day and by flashing 'Z' at short intervals by night.
 - (d) All night signals shall be made in one hoist, with the lights in a vertical line one over the other not less than one meter apart.
 - (e) Detail of Local signals (by day & by night) giving their meanings is placed at Schedule-1.
137. **Unsettled Weather:-** During unsettled weather, the Port Control Towers shall be reverted to Storm Signal Station and display Storm Signals (day and night) as per the directions received from Indian Meteorological Department. On receipt of the information, the duty operator to plot the depression/ cyclone storm position in cyclone tracking chart and inform to his superiors/ ships at sea and harbour. The duty operator to record wind speed/ direction and Barometer pressure in Millibars on hourly basis.
138. **Signals:-** All Signal Messages to be transmitted to the addressee be made in the prescribed signal form in the schedule-7. The signals should be drafted and released by an authorised officer. The specimen signature of the authorised officers should be made available at the Coastal Radio Stations and the Port Control Towers. All Govt/ Communications, Private signals, classified matters are to be cleared by the officer-in-charge before transmission.

139. **Repeal and saving:-** The Andaman and Nicobar Islands (Entry of sea-going vessel in Ports) Rules, 1972 are hereby repealed, Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the previous Rules shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these Rules.

[F. No. PR-16013/2/94-PG]

R. K. JAIN, Jt. Secy.

SCHEDULE-1

(Sea Rule 136)

(a) Signal to be shown/hoisted by the vessels arriving at the Port or with in Port limits.

Signal		Where Hoisted	Signification
Day	Night		
1	2	3	4

Q	White	To be hoisted where best	My ship is Healthy
	over	seen	I request free pratique
	Red		I Had not received free
			Pratique.

Flag		To be hoisted where best	My ship is suspected.
QQ		seen.	

QL	White	To be hoisted where best	My ship is infected.
	Over	Seen.	
	Red		

1	2	3	4
	White	To be hoisted where best	My ship is infected
QL	Over	Seen.	
	Red		
Red/Blue Ensign		To be lowered half	Death on board while
		Mast.	in port limits.
Pilot/Jack	White	To be hoisted where	Pilot is required
GOLF		best seen	
DQ	Red	To be hoisted where	Am on fire and
	over	best seen.	require immediate
	Red		assistance.
DV	Red	To be hoisted where	Have sprung a
	over	best seen.	leak and require
	white		immediate assistance.
	Over		
	Red		
DZ	Red	To be hoisted where	Require immediate
	over	best seen.	assistance.
	white		
	over		
	Red		

1	2	3	4
Bravo	Red	To be hoisted where best seen.	Have Kerosene Oil or Petrol on board.
Bravo	Red	To be hoisted where best seen.	Have explosives on board (Note: Vessels having any quantity of explosives other than for their own use make use of signal).
ST	Red over Red over white	To be hoisted where best seen.	Want Police.
ANG	Red over white	To be hoisted where best seen.	Parted moorings.
YA	white over Red	To be hoisted where best seen	Require Tug.

1	2	3	4
Whisky	White Over White	To be hoisted where best seen.	Want Doctor or Medical assistance.
November	Green over Green	To be hoisted where best seen.	Request permission to enter harbour.
Foxtrot	white over Green	To be hoisted where best seen.	Request permission to leave harbour.
YJ	--	To be hoisted where best seen.	Require fresh water.

(b) Signal to be hoisted / displayed at Flag Staff of Port Control Towers:

	<u>Signal</u>		<u>Where hoisted</u>	<u>Significance</u>
	<u>Day</u> Labell	<u>Night</u>		
(a) Andaman and Nicobar storm signals (General System)		Flag staff	Flag staff	As detailed in the Code of storm signals for Indian Maritime Ports.
(b) Two spherical shapes		White over Green	Flag staff	Channel is clear and permission is granted to leave harbour.
(c) Flag N		Green over Green	Flag staff	Permission granted/channel is and you may enter harbour.

SCHEDULE-2

Form A

(See Rule 21)

PORT MANAGEMENT BOARD, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS

Licence of minimum Crew

I Dy. Chairman, Port Management Board, A&N Islands, do hereby licence under Rule 21 of the Andaman & Nicobar Islands Port Rules, 2003, the S.S/M.V. of which is Master, to remain at her present moorings/anchorage/berth in the said Port having on board the crew specified below : Provided always that on its revocation under Rule 22 of the said Rules, or on breach of any of the conditions written hereunder this licence shall absolutely cease and determine.

Conditions of Licence

The vessel must remain at or such other moorings/anchorage/berth within the said Port as are allotted by an officer duly authorised by the Board in that behalf for the period from to The reduced crew must consist of

Signature of Licencing Authority.....

Date.

Designation: Chief Port Administrator
Place : Port Blair.

SCHEDULE -3

Form B

(See Rule 22)

PORT MANAGEMENT BOARD, A&N ISLANDS

Revocation of Licence

I Chief Port Administrator, A&N Islands, do hereby revoke the licence in form A granted to the S.S/M.V. to remain in the said Port with reduced crew specified in the licence.

Signature Licencing Authority.....

Date.....

Designation : Chief Port Administrator
Place : Port Blair.

SCHEDULE- 4

Form C

PORT MANAGEMENT BOARD ANDAMAN& NICOBAR ISLANDS

LICENCE TO LIE WITHOUT CREW

Sea Rule-23

I..... Dy. Conservator of Port, Port Blair do hereby grant under Rule 23 of the ANDAMAN & NICOBAR PORT RULES, 2003 a licence that S.S/M.V.....of which.....is Master, moored in the following creek, river, anchorage, berth or dockshall be exempted from the provisions of Rule 20 of the said Rules, Provided that during this period she remains in the said creek, river, anchorage, berth or dock.

Signature of Licencing Authority.....

Date

Designation : Dy. Conservator of Port
Place : Port Blair.

SCHEDULE- 5

Form D

Sea Rule-67

PORT MANAGEMENT BOARD, Andaman & Nicobar Islands

APPLICATION FOR REGISTRATION

Owner's name and address.....

Agent's name and address.....

Description of float/boat.....
Nature of licence, cargo or Passenger, held or required.....

The undersigned, Owner/Agent of the float/boat described above requests that it may be registered in accordance with Rule 66 of the ANDAMAN AND NICOBAR PORT RULES' 2003.

Signature of Owner/Agent.....
Residence.....

To

The Dy. Conservator of Ports, Port Blair.

SCHEDULE- 6

Form E

(See Rule 69)

PORT MANAGEMENT BOARD, ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS
APPLICATION FOR THE LICENCE OF EACH FLOAT/BOAT

Branded No.	Description of boat. and Class	Tonnage	Number of Oars Crew	Serang Name age Height
----------------	-----------------------------------	---------	------------------------	---------------------------

Number of Passengers.....

The undersigned Owner/Agent of the float/boat described above requests that his float/boat may be licenced in accordance with Rule 67 of the Andaman & Nicobar Islands Port Rules, 2003, to ply as float/boat.

Dated :

Signature of Owner/Agent.....

Residence.....

To

The Deputy. Conservator Ports,
Port Blair.

Copy to:

The Harbour Master, PMB, Port Blair.

The MMD Surveyor Incharge, Port Blair.

Schedule- 7

(See Rule 138)

PORT MANAGEMENT BOARD

ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS

SIGNAL FORM

[illegible]